दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-102, भोपाल मंगलवार 22 फरवरी 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"किसी मूर्ख व्यक्ति की पहचान उसके वाचालता से होती है, तथा बुद्धिमान व्यक्ति की पहचान उसके मौन रहने से होती है।" - पाइथागोरस

300 फीट गहरी खाई में गिरकर चट्टानों में फंसा ट्रैकर, एयरफोर्स ने एयरलिफ्ट कर बचाई जान

बेंगलुरु। भारतीय वायु सेना ने कर्नाटक के नंदी हिल्स में मौजूद चट्टानी खाई ब्रह्म गिरी में फंसे एक ट्रैकर का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन किया है। 19 साल का ट्रैकर फिसलकर 300 फीट गहरी खाई में गिर गया था, जहां वह चट्टानों में फंस गया, जिससे वह जख्मी हो गया। उसने अपने फोन से पुलिस से मदद मांगी।

जब पुलिस मदद नहीं कर सकी तो वायु सेना की मदद ली गई। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए वायुसेना ने अपना एमआई17 हेलिकॉप्टर इस्तेमाल किया। पहाड़ी पर हेलिकॉप्टर की लैंडिंग मुश्किल थी। लिहाजा, एमआई17 के फ्लाइट गनर को ट्रैकर तक पहुंचाया गया। गनर ने ट्रैकर को हेलिकॉप्टर तक एयरलिफ्ट करने मदद की। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक की हालत स्थिर है।

दिल्ली का युवक इंजीनियरिंग का स्टूडेंट

पुलिस ने बताया, दिल्ली का रहने वाला ट्रैकर इंजीनियरिंग का छात्र है। वो बेंगलुरु में एक कॉलेज से इंजीनियरिंग कर रहा है। उसने ट्रैकिंग के लिए नंदी हिल्स को चुना था, लेकिन बैलेंस बिगड़ने से खाई में जा गिरा। गनीमत रही कि जान बच गई। उसे 300 फीट नीचे बचा लिया गया।

सेना पहले भी कर चुकी मुश्किल रेस्क्यू ऑपरेशन

हेलिकॉप्टर से सेना के रेस्क्यू ऑपरेशन के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसे देख लोग वायु सेना के साहस और समर्पण की तारीफ कर रहे हैं। इससे पहले सेना ने केरल में भी ऐसा ही एक रेस्क्यू ऑपरेशन किया था। वहां पलक्कड़ पहाड़ी की दरार में एक युवक 45 घंटे तक फंसा रहा था। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में भारतीय सेना, नेवी और एनडीआरएफ की टीम शामिल हुई थीं।

सजा सुनते ही लालू का ब्लड प्रेशर बढ़ा, डोरंडा ट्रैजरी से 139 करोड़ रु. की अवैध निकासी की थी

चारा घोटाले का पांचवां केस लालू को पांच साल कैद

पटना/ रांची। चारा घोटाले के सबसे बड़े मामले (डोरंडा कोषागार से 139.35 करोड़ रुपए की अवैध निकासी) में बिहार के पूर्व सीएम और आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव को सोमवार को 5 साल की सजा सुनाई गई। उन्हें 60 लाख का जुर्माना भी भरना होगा। रांची में सीबीआई के विशेष जज एसके शशि ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सजा का ऐलान किया। फिलहाल लालू रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती हैं। लालू समेत 40 दोषियों को इस केस में कोर्ट ने 15 फरवरी को दोषी करार दिया था। अधिवक्ता का कहना है कि सजा की आधी अवधि पूरी हो गई है, इसलिए लालू को हाईकोर्ट से जमानत मिलने की उम्मीद है। कुल 40 लोगों को सजा सुनाई गई। 5 लोगों को 5 साल, 3 लोगों को 3 साल तथा कुल 32 लोगों को 4-4साल की सजा दी गई।

पिछली सुनवाई में अनुपस्थित रहे दो लोग आज कोर्ट में हाजिर हुए। उन्हें भी जेल भेज दिया गया। वित्त सचिव वेक जूलियस को सबसे कम एक लाख रुपए जुर्माना और 4 साल की सजा दी गई है। केएम प्रसाद और लालू प्रसाद को रिम्स में रहते हुए सजा सुनाई गई। त्रिपुरारी मोहन प्रसाद को 2 करोड़ मोहम्मद शाइद को डेढ़ करोड़ रुपए रुपए की सजा सुनाई दी गई।

पटना में राबड़ी आवास के बाहर सन्नाटा

इधर, सजा के ऐलान के पहले लालू की तबीयत और बिगड़ गई। उनका ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल बढ़ गया। सुबह लालू यादव का ब्लड शुगर 160 पहुंच गया जो सामान्य स्थिति में खाली पेट में 110 होना चाहिए। दूसरी ओर उनका ब्लड प्रेशर 150/ 70 पहुंच गया है। डॉक्टर ने बताया की सजा की सुनवाई होने से पहले लालू यादव रात से ही काफी तनाव में थे। इस कारण उनका ?क्क्र और ब्लड शुगर अनियंत्रित हुआ।

लालू यादव सुबह से ही अपने कमरे से बाहर नहीं निकले

लालू आज सुबह टहलने के लिए अपने रूम से बाहर भी नहीं निकले। एक दिन पहले लालू यादव के ब्लड शुगर का लेवल सुबह खाली पेट में 140/80 के आस पास था, जबकि इंसुलिन की डोज बढ़ाए जाने के बाद भी सोमवार को उनका ब्लड शुगर बढ़ गया। डॉक्टर ने बताया कि पहले से ही वह किडनी की क्रॉनिक डिजीज से ग्रसित हैं और ब्लड शुगर और बीपी की समस्या पहले से उन्हें है और इस तनाव के बाद सभी चीजें अनियंत्रित हो गई हैं, हालांकि डॉक्टर ने दवा दी है।

डोरंडा ट्रेजरी घोटाला आखिर है क्या?

डोरंडा ट्रेजरी से 139.35 करोड़ रुपए की अवैध निकासी के इस मामले में पशुओं को फर्जी रूप से स्कूटर पर ढोने की कहानी है। यह उस वक्त का देश का पहला मामला माना गया जब बाइक और स्कूटर पर पशुओं को ढोया गया हो। यह पूरा मामला 1990-92 के बीच का है। सीबीआई ने जांच में पाया कि अफसरों और नेताओं ने मिलकर फर्जीवाड़े का अनोखा फॉर्मूला तैयार किया। 400 सांड़ को हरियाणा और दिल्ली से कथित तौर पर स्कूटर और मोटरसाइकिल पर रांची तक ढोया गया, ताकि बिहार में अच्छी नस्ल की गाय और भैंसें पैदा की जा सकें। पशुपालन विभाग ने 1990-92 के दौरान 2,35, 250 रुपए में 50 सांड़, 14, 04,825 रुपए में 163 सांड़ और 65 बछिया खरीदीं।

राजस्थान में इस बार अलग से पेश होगा कृषि बजट

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 23 फरवरी को राज्य विधानसभा में अलग से कृषि बजट पेश करेंगे। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। यह पहली बार है, जब राज्य में अलग से कृषि बजट पेश किया जाएगा। सीएम गहलोत ने अपने पिछले साल के बजट भाषण में अलग से कृषि बजट पेश करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों से संबंधित कुछ बड़ी घोषणाओं को शामिल करने की उम्मीद है। मंत्रियों और अधिकारियों ने किसानों, पशुधन श्रमिकों, डेयरी संघ के अधिकारियों और आदिवासी क्षेत्रों के किसानों के साथ भी बातचीत की है। उन्होंने पुष्टि की कि कृषि बजट पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। किसानों की आय में वृद्धि और कम लागत पर अधिक उत्पादन कैसे करें।

पद्मश्री से सम्मानित गांधीवादी शकुंतला चौधरी का निधन

गुवाहाटी। एक बड़ी दुखद खबर सामने आई है। पद्मश्री से सम्मानित असम की 102 वर्षीय गांधीवादी शकुंतला चौधरी का निधन हो गया है। वह लंबे वक्त से कई बीमारियों से जूझ रही थी। पिछले 10 वर्षो से उनका इलाज चल रहा था। रविवार देर रात उन्होंने अपने जीवन की अंतिम सांसे ली। यह जानकारी दशकों से असम के सरनिया आश्रम में उनके साथ रह रहे कार्यवाहक ने दी। उन्होंने कहा, उनके शुभचिंतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके शव को आश्रम में रखा गया है और उनका अंतिम संस्कार आज नबग्रहा श्मशान घाट में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। पद्मश्री से सम्मानित गांधीवादी शकुंतला चौधरी के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट कर कहा, शकुंतला चौधरी जीगांधीवादी मूल्यों को बढ़ावा देने के उनके आजीवन प्रयासों के लिए याद किया जाएगा।

आशीष मिश्रा की जमानत रद करने की मांग

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी हिंसा के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को जमानत देने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट) में चुनौती दी गई है। लखीमपुर खीरी कांड के पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने आशीष मिश्रा को दी गई जमानत रद करने की मांग है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही आशीष की जमानत को दो वकीलों ने चुनौती दी थी। ये वही वकील थे जिन्होंने पिछले साल कोर्ट को पत्र लिखकर मामले में स्वत~ संज्ञान लेने का आग्रह किया था। दरअसल आशीष मिश्रा को हाई कोर्ट से बीते गुरुवार ही जमानत मिली है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में वकीलों द्वारा दी गई अर्जी में कहा गया था कि जमानत देने के हाईकोर्ट के फैसले में स्पष्ट त्रुटि है, जिसमें चालक द्वारा प्रदर्शनकारियों से अपनी जान बचाने के लिए वाहन की गति बढ़ाने की बात कही गई थी। गौरतलब है कि यूपी पुलिस ने इस मामले में तीन जनवरी को चार्जशीट दायर कर दी थी, जिसमें आशीष मिश्रा को मुख्य आरोपी बनाया गया है। आशीष मिश्रा केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा के बेटे हैं। यह पूरा मामला पिछले साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा से जुड़ा है।

पीलीभीत में बोले अमित शाह- सपा ने घोषणा पत्र में किया था आतंकियों को छोड़ने का वादा

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य माने जाने वाले गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 के चौथे चरण वाले मतदान क्षेत्र के पीलीभीत में प्रचार के अंतिम दिन समाजवादी पार्टी को अपने निशाने पर तो रखा ही कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने पीलीभीत के सभी भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में सभा को संबोधित किया। पीलीभीत में 23 फरवरी को मतदान होगा। अमित शाह ने कहा कि समाजवादी पार्टी तो उत्तर प्रदेश में आतंकियों के साथ है। सपा ने आतंकियों को छोडने का घोषणा पत्र में वादा किया था। उन्होंने जनता से सवाल किया कि क्या वोट के लालच में आतंकियों को समर्थन देने वालों को वोट देना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि सपा तथा कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प आतंकवाद फैलाने वालों को देश दुनिया से मूल से उखाड़ फेंकना है। प्रियंका गांधी कहती हैं कि आतंकवाद फिजूल बात है। इस पर रोक लगाना फिजूल है। उनके नेता सलमान खुर्शीद कहते हैं, अहमदाबाद धमाके में पकड़े गए लोग निर्दोष हैं।

अमित शाह ने कहा कि पीलीभीत वालों तीन चरण का परिणाम बताऊं। इसमें सपा तथा बसपा का सूपड़ा साफ हो चुका। कांग्रेस तो दूरबीन से भी दिखाई नहीं पड़ती है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पांच वर्ष तक गरीब कल्याण, कानून व्यवस्था, युवाओं के लिए जो काम किये हैं, उससे भाजपा की लहर है। सातवें चरण तक यह लहर सुनामी में बदल जाएगी।

गृह मंत्री ने रामसागर खोड़न में पांच लाख की लागत से मांझी समाज के सामुदायिक भवन किया लोकार्पण

दतिया। मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि विधायी कार्य विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने रामसागर खोड़न गांव में पांच लाख की लागत से निर्मित मांझी समाज के सामुदायिक भवन के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मांझी एवं केवट समाज का उनका पुराना रिस्ता रहा है। इन रिस्तों में हमेशा मधुरता बनी रहे। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र दो दिवसीय प्रवस के दौरान रविवार को रामसागर खोड़न ग्राम में मांझी समाज के सामुदायिक भवन के लोकार्पण कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा बाथम, केवट, मांझी समाज रामायण की चौपाई में भी केवट शब्द का उल्लेख किया है। केवट अद्भुद शब्द है। केवट मांझी समाज मेहनतकस, विनम्र एवं अपने काम पर हमेशा भरोसे रखने वाला समाज है। उनकी हमेशा से कोशिश रही है कि इस समाज के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास किए जायें। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा मांझी समाज के लिए जो सामुदायिक भवन दिया गया है वह उनका फर्ज है न की कोई एहसान। उन्होंने कहा कि आगे भी उसी प्रकार मांझी समाज के कल्याण के लिए कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि रामसागर की खूबसूरती को देखते हुए बरगद, कटटल, नीम, पीपल के पेड़ लगाए जाए लेकिन इस बात का ध्यान रखा जाए कि पानी का दृश्य ओझल न हो। उन्होंने कहा कि वह जब यहां से विधायक नहीं थे तब सबसे पहले वह यहां पर आए थे। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर 32 केव्ही क्षमता के ट्रांसफार्मर को 64 केव्ही क्षमता करने की भी घोषणा की। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र बुद्यौलिया सर्वश्री विपिन गोस्वामी, प्रवीण पाठक, रवि मांझी, मुकेश यादव, आकाश भार्गव, शिवा राजा, लला रजक, महेश यादव आदि उपस्थित थे।

इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने का विरोध, छात्रों ने किया अंबिकापुर-रायगढ़ हाईवे किया जाम

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में करीब एक हजार स्कूली छात्र सोमवार को सड़क पर उतर आए। उन्होंने अंबिकापुर-रायगढ़ नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। बच्चों के चक्काजाम की वजह से ये रोड करीब 5.30 घंटे तक बंद रहा। बच्चे यहां स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने का विरोध कर रहे थे। उनका कहना है कि यदि यहां इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलकर हिंदी मीडियम को बंद कर दिया जाएगा तो हम कहां जाएंगे। हम कहां पढ़ेंगे। बच्चों के इस विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने इनकी बात सुनी है और अंग्रेजी माध्यम स्कूल को दूसरे स्थान पर लगाने का फैसला लिया गया है। जिसके बाद चक्काजाम को खत्म कर दिया गया।

सोमवार सुबह अंबिकापुर से 30 किलोमीटर दूर शांतिपारा में करीब एक छात्र-छात्राएं शांतिपारा में ही चौक के पास आकर सड़क पर बैठ गए। 10 बजे से इनके स्कूल खुलने का समय होता है। मगर ये स्कूल जाने की बजाए सीधे रोड पर ही आकर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। धीरे-धीर प्रदर्शन में इन बच्चों के परिजन भी शामिल हो गए थे। बैनर पोस्टर लिए बच्चों ने जमकर नारेबाजी शुरू कर दी थी। बताया जा रहा है कि की ये सभी बच्चे शांतिपारा के सरकारी स्कूल के 9वीं से 12वीं तक पढ़ने वाले बच्चे हैं। इनका कहना है कि प्रशासन और सरकार हमारे स्कूल को हटाकर अंग्रेजी स्कूल खोल रही है। ऐसे में हम कहां जाएंगे। स्कूल में पढ़ने वाली छात्र काजल ने बताया कि पहले तो स्कूल के एक छोटे से हिस्से में 9वीं से 12वीं तक अंग्रेजी मीडियम स्कूल चलाया जा रहा था। फिर धीरे-धीरे कर हमारे स्कूल के और कमरों को भी ले लिया गया। ऐसे में हम जब यदि स्कूल में अंग्रेजी स्कूल खुलेगा तो हम कहा जाएंगे। हमें डर है कि प्रशासन हिंदी माध्यम को बंद कर रहा है।

मांग पूरी नहीं होने तक दी थी आंदोलन की चेतावनी

वहीं स्कूल में ही पढ़ने वाले दूसरे छात्रों ने कहा कि हम शुरू से ही हिंदी मीडियम स्कूल में पढ़ रहे हैं। अब यहां इंग्लिश मीडियम स्कूल खोला जा रहा है। जबकि यहां बहुत से ऐसे बच्चे हैं जो शुरू से ही हिंदी मीडियम में पढ़ें हैं तो वो कैसे करेंगे। साथ ही बच्चों का कहना है कि इस इलाके में ज्यादातर गरीब बच्चे हैं। वो सरकारी स्कूल में ही पढ़ सकते हैं। अंग्रेजी मीडियम में जाएंगे तो उनके खर्चे भी बढ़ेंगे। इसलिए हमारी मांग है कि यहां पर अंग्रेजी मीडियम स्कूल नहीं खोला जाना चाहिए। छात्रों ने चेतावनी दी थी कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती हम सड़क से नहीं उठेंगे। मौके पर एसडीएम, प्रशासन की टीम और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद पहुंचे थे। काफी समझाइश के बाद बच्चे शांत हुए हैं। कलेक्टर ने उन्हें आश्वासन दिया है कि हिंदी माध्यम स्कूल वहीं पहले की तरह चलता रहेगा। अंग्रेजी स्कूल को कहीं और लगाया जाएगा। कलेक्टर के इस आश्वासन के बाद बच्चों ने चक्काजाम खत्म कर दिया है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट पार्क में मौलश्री और गुलमोहर के पौधे रोपे।

उलेमा बोर्ड का ऐलान, लव जिहाद बर्दाश्त नहीं : मप्र में काजियों को लिखी चिट्ठी, कहा-

माता-पिता की सहमति और मौजूदगी के बिना न कराएं ऐसे निकाह

भोपाल

लव जिहाद को लेकर उलेमाओं ने बड़ा ऐलान किया है। ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष काजी सैयद अनस अली नदवी ने कहा कि लव जिहाद के मामले नहीं होने चाहिए। प्रदेश भर में निकाह पढ़ाने वाले काजी को इस संबंध में चिट्?ठी लिखी है। भोपाल में इस पर अमल किया जा रहा है। यहां निकाह के दौरान लड़का-लड़की दोनों के माता-पिता की मौजूदगी होती है। मप्र से कुछ शिकायतें आई हैं, हम उनकी जांच कर रहे हैं। निकाह पढ़ाने वाले काजियों से अपील की है कि इस तरह निकाह पढ़वाने कोई आता है, तो ऐसा निकाह न पढ़ें, ताकि मुल्क में अमन बरकरार रहे।

उन्होंने कहा कि शिकायतें मिल रही हैं कि दो अलग मजहब के लोगों का चोरी-छिपे निकाह करवा दिया जाता है, जिस पर बाद में बवाल होता है। काजी अनस ने चिट्?ठी में लिखा है कि बिना माता-पिता की सहमति और उनकी उपस्थिति के बिना निकाह करवाया जाना मुनासिब नहीं है। जरूरी है कि निकाह पंजीयन करते समय ही जरूरी कागजात जांच परख लिए जाएं। संतुष्ट होने पर ही निकाह करवाया जाए।

निकाह के लिए धर्म बदलना ठीक नहीं

काजी अनस ने कहा कि कई मामलों में देखने में आया है कि सिर्फ निकाह पंजीयन कराने के मकसद से लोगों ने अपना नाम इस्लामी तरीके का रख लिया। इसमें लड़का और लड़की दोनों ही शामिल हैं। महज निकाह या इस्लामी पद्धति से विवाह करने के मकसद से किया गया धर्म परिवर्तन न तो मजहबी एतबार से दुरुस्त है और न ही इसे कानूनी मान्यता है। शादी कराने वाले काजी पर होगी कार्रवाई उलेमा बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे मामले में शामिल होने के मायने कानून का उल्लंघन करना भी होगा। ऐसा व्यक्ति अपनी कौम का भी गुनहगार होगा। जो निकाहख्वां (काजी) ऐसे निकाह पढ़ाते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस्लाम इस बात की इजाजत नहीं देता कि सिर्फ शादी के लिए मजहब बदल लें।

न्यूज़ ब्रीफ

कृषि मंत्री श्री पटेल ने बारंगा में नल जल योजना का किया लोकार्पण

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने आज हरदा जिले के ग्राम बारंगा में हर घर में नल से जल पहुँचाने वाली नल-जल योजना का लोकार्पण किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में सतत विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। गाँव की महिलाओं को अब घर से बाहर पानी लेने जाने की जरूरत नहीं है। अब हर घर में नल से पहुँचाया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बारंगा में मध्यप्रदेश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जल जीवन मिशन में नल-जल योजना के तहत 70 लाख 60 हजार रूपये की लागत से बनकर तैयार हुई पानी की टंकी और हर घर नल से जल कार्य का लोकार्पण किया गया हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मेरी माता-बहनें अब नल की टोंटी खोलेगी तो आपके घर पानी आने लगेगा।

आरजीपीवी का 11वाँ दीक्षांत समारोह 28 फरवरी

भोपाल। राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का ग्यारहवाँ दीक्षांत समारोह 28 फरवरी 2022 को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) भोपाल में अपराह्न 3.30 बजे राज्यपाल मध्यप्रदेश एवं कुलाधिपति आरजीपीवी भोपाल श्री मंगुभाई पटेल की अध्यक्षता में संपन्न होगा इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो.अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे होंगे,वे इस अवसर पर दीक्षांत भाषण देंगे कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि मंत्री तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा विभाग श्री आकाश त्रिपाठी होंगे, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुनील कुमार इस अवसर पर विश्वविद्यालय का दीक्षांत प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे. विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो.आर.एस. राजपूत के अनुसार विश्वविद्यालय के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में वर्ष 2018 एवं वर्ष 2019 के उत्तीर्ण स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों का स्क्राल राज्यपाल महोदय द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा दीक्षांत समारोह मे 55 शोध उपाधियाँ (पीएच.डी) मंच से प्रदान की जाएँगी, साथ ही विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले 133 छात्र- छात्राओ को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, समर्पण पदक, स्वर्ण पदक एवं रजत पदक प्रदान किए जाएंगे.

उत्तरप्रदेश में सपा के राज में ग़दर मचाते थे आतंकी

लखनऊ। चारों तरफ अन्याय था, पाप और अत्याचार था। अधर्म और आतंक का बोलबाला था। भगवान की कृपा से मोदी जी भारत के प्रधानमंत्री और योगी जी उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बने। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा था जब-जब धरती पर पाप और अत्याचार बढ़ेगा, तब-तब मैं धर्म की स्थापना और अधर्म का नाश करने आता रहूँगा। इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी केंद्र में और श्री योगी आदित्यनाथ जी उत्तरप्रदेश में आये हैं । योगी जी के नेतृत्व में आज उत्तरप्रदेश की धरती पर गुंडे बदमाश भागते फिर रहे हैं, आतंक का सर्वनाश कर दिया, आतंक फैलाने वाले जनता का हितों का शोषण करने वाले अधिकतर लोग या तो जेल में हैं, या फिर छिपते फिर रहे हैं। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने रविवार को उत्तरप्रदेश की रामपुर कारखाना और अकबरपुर विधानसभाओं में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कही।

आज के औरंगजेब, फ्लाप फिल्मों के डायरेक्टर हैं अखिलेश यादव उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अखिलेश यादव आज के औरंगजेब हैं। जो अपने बाप का नहीं हुआ वो आपका क्या होगा। और यह मैं नहीं कह रहा नेता मुलायम सिंह यादव जी ने ही कहा था। औरंगजेब ने अपने बाप शाहजहां को ही जेल में बंद कर दिया था। भाइयों का कत्ल किया। मुलायम सिंह यादव कहते हैं कि जितना अपमान मेरा अखिलेश ने किया दुनिया में किसी ने नहीं किया। आगे उन्होंने कहा की अखिलेश यादव फ्लॉप फिल्मों के डायरेक्टर हैं, पहले राहुल गांधी के साथ आये, जनता ने ऐसा सबक सिखाया कि दोस्ती टूट गई। उसके बाद बुआ-बबुआ की जोड़ी आई, वो फ़िल्म भी पिटी। अब अखिलेश जयंत चौधरी के साथ आये हैं। उनका भी बंटाधार होगा।

सपा का मतलब सारा परिवार- श्री चौहान ने कहा कि आज जो अपने आप को समाजवादी कहते हैं, उनको शर्म आना चाहिए। डॉ राम मनोहर लोहिया किसानों की बात करते थे,गरीबों, दलितों, पिछड़ों की बात करते थे, लेकिन समाजवादी पार्टी के अखिलेश बबुआ तुम तो केवल परिवार की बात करते हो, यह समाजवाद नहीं है यह तो परिवारवाद है। उन्होंने कहा आपको बताना चाहता हूँ, एक पार्टी ने आकर रामपुर कारखाना से कारखाने ही बंद कर दिए, हमने जो कारखाने बचे थे, उन्हें चालू रखा और तीन नए कारखाने बनाये। सपा को उत्तरप्रदेश की जनता से कोई लगाव नहीं है, सपा मतलब सारा परिवार है। मुलायम सिंह यादव जी तीन बार मुख्यमंत्री, सांसद, उसके बाद अखिलेश जी, रामगोपाल यादव, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, अक्षय यादव, तेज प्रताप यादव, शिवपाल यादव, अंशुल यादव, संध्या यादव, मृदुला यादव, अजंट सिंह यादव, प्रेमलता यादव, सरला यादव, आदित्य यादव, अनुराग यादव, बिल्लू यादव,मीनाक्षी यादव, बंदना यादव, पूरा का पूरा खानदान ही पदों पर बैठा है। ये खा गए उत्तर प्रदेश को। सपा सरकार रहते परिवार का हर सदस्य पदों पर आसीन रहा।

आतंकियों, माफियाओं से सपा के ही संबंध क्यों हैं?- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैं सपा से पूछना चाहता हूं कि सपा के राज में 700 से ज्यादा दंगे हुए और 100 से ज्यादा लोग मारे गए, आखिर दंगाइयों, आतंकियों और माफियाओं से सपा के ही संबंध क्यों निकल कर सामने आते हैं? आखिर सपा की सरकार के दौरान ही उत्तर प्रदेश में ज्यादा दंगे क्यों हुए? सपा की सरकार ने कही रामभक्तों पर गोलियां चलवाई। अखिलेश यादव को ऐसे सवालों का जवाब देना ही होगा। श्री चौहान ने पूछा कि अखिलेश बताएं गुजरात ब्लास्ट में पकड़े गए आतंकी से क्या सबंध हैं? उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में पुलिस आजम खान की भैंस ढूंढने का काम करती थी और आज जब हमारी सरकार है तो पुलिस अपराधियों को पकड़ने का काम कर रही है। उत्तरप्रदेशमें एक के बाद एक, अनेकों घोटाले सपा, बसपा,कांग्रेस पार्टी ने किए। ये घोटाले वाली पार्टी, आतंक का राज स्थापित करने वाली पार्टी, जिन के राज में मां बहनों का सम्मान सुरक्षित नहीं था वह पार्टी कभी भी उत्तरप्रदेश का भला नहीं कर सकती।

पर्यटन बोर्ड का साहस संस्था के साथ हुआ एमओयू

- **क्लीन डेस्टिनेशन बनेंगे पन्ना नेशनल पार्क के आस-पास के 30 गाँव**
- **राज्यपाल श्री पटेल, मंत्री सुश्री ठाकुर और सांसद श्री शर्मा रहे उपस्थित**

भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की उपस्थिति में आज खजुराहो में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के रेस्पाँसिबल टूरिज्म मिशन में प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन की लॉन्चिंग की गई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर, खनिज मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह और खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा भी उपस्थित रहे। परियोजना को संचालित करने के लिए पर्यटन बोर्ड और सहयोगी संस्था साहस के मध्य कर्णावती इंटरप्रिटेशन केन्द्र मडला में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। पायलट प्रोजेक्ट के प्रथम चरण में पन्ना नेशनल पार्क के आस-पास के 30 गाँवों को क्लीन डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि परियोजना में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में कार्य किया जाएगा। सामुदायिक जागरूकता, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन से पर्यटन स्थलों और आस-पास के गाँवों को क्लीन डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। सलाहकार श्री अमित सिंह ने रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन पर बनी लघु फ़िल्म के माध्यम से पर्यटन बोर्ड द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के बारे में बताया। साहस संस्था की प्रतिनिधि सुश्री सोनिया गर्ग और कोको कोला के सीनियर प्रबंधक श्री राजेश गुप्ता ने परियोजना क्रियान्वयन रणनीति का प्रस्तुतिकरण दिया। राज्यपाल श्री पटेल, मंत्री द्वय सुश्री ठाकुर और श्री सिंह, सांसद श्री शर्मा ने बोर्ड के रेस्पाँसिबल सोविनियर प्रोजेक्ट के अंतर्गत मडला में तकनीकी सहयोग संस्था द्वारा संचालित आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर का भी अवलोकन किया। उन्होंने महिला हितग्राहियों से चर्चा कर प्रशिक्षण एवं उत्पाद तैयार करने की प्रक्रिया को जाना। साथ ही समुदाय आधारित पर्यटन के माध्यम से महिलाओं के कौशल संवर्धन और आजीविका अर्जन पर प्रसन्नता व्यक्त की और गुणवत्ता तथा मार्केटिंग के लिए प्रेरित किया।

सिकल सेल रोग के परीक्षण के लिए चलाएँ सघन अभियान : राज्यपाल

राज्यपाल ने सीएससी खजुराहो का अवलोकन कर ली स्वास्थ्य गतिविधियों की जानकारी

भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने खजुराहो प्रवास के दौरान रविवार को सीएससी केन्द्र खजुराहो का अवलोकन कर स्वास्थ्य गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र के विभिन्न कक्षों तथा आयुष चिकित्सा केन्द्र का भी अवलोकन किया और संबंधित स्टाफ से स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। कलेक्टर श्री संदीप जी आर, सीएमएचओ एवं अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल रोग के परीक्षण के लिए सघन कैम्प आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिकल सेल की सर्वे जाँच में जिस परिवार में रोगी पाए जाएं उस परिवार के पूरे सदस्यों की जाँच चिकित्सक स्वयं जाकर करें। उन्होंने कहा कि जनजातीय बहुल क्षेत्रों में इस रोग से पीड़ित का प्रतिशत सर्वाधिक है। ऐसे क्षेत्रों में फोकस कर जाँच अभियान संचालित करें। उन्होंने बताया कि सिकल सेल के नियंत्रण के लिए प्रदेश में संवेदनशील प्रयास शुरू हुए हैं। सर्वेक्षण में जनजाति बहुल बस्ती का कोई भी सदस्य नहीं छूटे। राज्यपाल श्री पटेल ने 10 से 19 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिये संचालित उमंग स्वास्थ्य केन्द्र के अवलोकन के बाद आरकेएसके काउंसलर से चर्चा की। काउंसलर ने किशोरियों की समस्याओं, शारीरिक परिवर्तन और दिये जाने वाले परामर्श की जानकारी दी। काउंसलर ने बताया कि ग्राम स्तर पर साथिया संगठन से जुड़ी महिलाएँ, किशोरियों से चर्चा करती हैं और उन्हें परामर्श देती है। जरूरत अनुसार किशोरियों को चिकित्सकों की मदद दिलाई जाती है। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए किये जा रहे अच्छे कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि किशोर-किशोरियों पर ध्यान देने के लिए संचालित प्रोग्राम सार्थक हैं। इस कार्य में साथिया द्वारा की जा रही सामाजिक सेवा भी तारीफ के काबिल है। राज्यपाल श्री पटेल ने चिकित्सालय के अवलोकन के बाद चिकित्सकों से चर्चा में उपचार के लिए आ रहे रोगी और भर्ती मरीजों की जानकारी ली। उन्होंने प्रीमेच्योर बच्चों की उपचार की जानकारी भी ली। चिकित्सकों ने बताया कि आशा कार्यकर्ता, गर्भवती महिलाओं की जानकारी लेकर कुपोषण के संबंध में उन्हें परामर्श देती हैं। कुपोषित बच्चों को राजनगर स्वास्थ्य केन्द्र भेजकर ऑब्जर्वेशन में रखकर प्रतिदिन उनका वजन लिया जाता है।

बुंदेलखंड क्षेत्र का विकास मेरा सपना रहा है- उमा भारती

छतरपुर। बुंदेलखंड के हर खेत को पानी मिल सके, लोगों को पेयजल मिले, इसके लिए मोदी सरकार ने केन बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति दी है और यह बता दिया है कि मोदी जी की सरकार बुंदेलखंडवासियों की कितनी चिंता करती है। हम अपनी ओर से, बुंदेलखंडवासियों की ओर से केंद्र की मोदी सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं एवं आभार व्यक्त करते हैं। अब बुंदेलखंड सूखे के लिए नहीं पहचाना जाएगा, बल्कि समृद्धि इसकी पहचान बनेगी। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमाश्री भारती ने रविवार को राजनगर के कुटी सरकार धाम में नागरिक अभिनंदन के दौरान कही।

केन बेतवा लिंक परियोजना की स्वीकृति एवं इसके लिए बजट आवंटित होने पर नागरिकों की ओर से राजनगर विधानसभा के ग्रामगंज स्थित कुटी सरकार धाम में पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमाश्री भारती एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा का नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमाश्री भारती ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र का विकास मेरा सपना रहा है। यहां रेल सुविधाओं और पर्याप्त पानी की उपलब्धता के लिए जो सपने मैंने देखे थे, आज वो पूरे हो गए हैं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने अभिनंदन के लिए क्षेत्र की जनता को धन्यवाद दिया।

अभिनंदन समारोह में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री व छतरपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा ने कहा आने वाले समय में बुंदेलखंड में कम से कम 25000 लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा । यहां पर बड़े उद्योग स्थापित किए जाएंगे। सरकार प्रयास कर रही है कि किसानों को सस्ती दरों पर पूरे दिन बिजली उपलब्ध हो। अभिनंदन समारोह में मध्यप्रदेश शासन के खनन मंत्री बृजेंद्र प्रतापसिंह, पार्टी की प्रदेश मंत्री श्रीमती ललिता यादव, जिलाध्यक्ष श्री मलखान सिंह, विधायक श्री प्रद्युम्नसिंह लोधी, श्री राजेश प्रजापति, पूर्व विधायक श्री मानवेंद्र सिंह श्रीमती रेखा यादव, श्री विजय बहादुर सिंह बुंदेला, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह, श्री रतन चंद फुलवानी,श्री अरविंद पटेरिया, श्री करुनेन्द्र प्रताप सिंह, बुलंदशहर विधायक श्री संजय शर्मा, कार्यक्रम के आयोजक श्री दंगल सिंह, गोविंद सिंह, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अभिनेंद्र पटेरिया सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हादसे के बाद ट्रक के नीचे आ गए दो युवक बाल-बाल बची जान

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में सड़क हादसे के बाद 2 युवक ट्रक के नीचे ही आ गए। बताया गया कि दोनों बाइक सवार युवक ट्रक को ओवरटेक करने के चलते हादसे का शिकार हो गए। उनकी बाइक फिसल गई और दोनों ट्रक के नीचे ही चले गए। मगर इस हादसे में जो सबसे राहत की बात है वो ये है कि दोनों युवक की जान बच गई है। दोनों सुरक्षित हैं। हादसा उरगा थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, मुंगेली निवासी दीपक बरेठ और आशीष बंजारे अपने पारिवारिक काम से कोरबा आ रहे थे। वो अभी यहां पर बरपाली के पास पहुंचे थे कि ये हादसा हो गया। हादसे के बाद डायल 112 को सूचना दी गई थी। घटना के बाद हादसे का शिकार हुए दीपक बरेठ ने इस घटना के संबंध में जानकारी दी है।

ट्रक वाले ने तुरंत रोक ली थी गाड़ी

घटना को लेकर दीपक बरेठ ने बताया कि वो बाइक में अपने दोस्त के साथ कोरबा जा रहा था। बगल से एक ट्रक निकल रही थी। उस समय मैंने सोचा कि ट्रक से आगे निकला जाए। इसलिए मैंने थोड़ी स्पीड बढ़ा ली थी। मगर जैसे ही थोड़ी आगे की तरफ हम बरपाली के पास पहुंचे कि सामने से एक ब्रेकर था। बगल से ट्रक भी निकल रही थी। कुछ समझ ही नहीं आया, गाड़ी फिसल गई। इसके बाद सीधे हम ट्रक के नीचे आ गए। दीपक ने बताया कि राहत की बात ये रही ट्रक वाले ने हमारे नीचे घुसते ही ट्रक को रोक लिया था।

दूसरे युवक को आई हैं चोटें

दीपक ने कहा कि जैसे ही मैं और मेरा दोस्त ट्रक के नीचे गए मैंने वहीं अपना पैर सीधा कर लिया। मेरा दोस्त थोड़ा किनारे था। इसलिए उसके शरीर में ट्रक का कुछ हिस्सा लग गया। जिससे उसके शरीर में कुछ चोटें आई है। उसे अस्पताल में ले जाया गया था। दीपक ने बताया कि जिस तरह से हादसा हुआ था। उससे बचना बिल्कुल असंभव था। मगर भगवान की वजह से हम बच गए। इसलिए भगवान को धन्यवाद कहते हैं। दीपक के साथी अशीष ने भी भगवान को धन्यवाद कहा है।

भारी बवाल के बाद रायगढ़ तहसीलदार का तबादला

वकीलों के आंदोलन को भाजपा ने भी दिया समर्थन, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर 5 दिनों से जारी है आंदोलन

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पिछले दिनों वकीलों और तहसीलदारों के बीच हुए विवाद के बाद रायगढ़ तहसीलदार सुनील कुमार अग्रवाल का ट्रांसफर कर दिया गया है। उन्हें ट्रांसफर कर धरमजयगढ़ भेजा गया है। उनकी जगह पर धरमजयगढ़ तहसीलदार भोज कुमार डहरिया को रायगढ़ तहसीलदार की जिम्मेदारी दी गई है। इस संबंध में रायगढ़ कलेक्टर ने आदेश जारी कर दिए हैं। 10 दिन पहले हुए दोनों पक्षों के विवाद के बाद तहसीलदारों ने आंदोलन शुरू कर दिया था। मगर राजस्व कोर्ट को सुरक्षा दिए जाने के बाद तहसीलदारों ने हड़ताल शुक्रवार को स्थगित कर दी। लेकिन वकीलों का भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पिछले 5 दिनों से धरना जारी है। वकीलों का आरोप है कि राज्यभर के राजस्व कोर्ट में भारी भ्रष्टाचार है। इसलिए राजस्व कोर्ट का बहिष्कार जारी रहेगा। इस बीच बीजेपी ने भी वकीलों के आंदोलन को समर्थन दे दिया है।पूरा विवाद 10 दिन पहले हुए वकीलों और राजस्व कर्मचारियों के बीच मारपीट से जुड़ा है। वकीलों ने उस दौरान आरोप लगाया था कि तहसीलदार सुनील कुमार अग्रवाल ने उनके साथ बदसलूकी की है। जिसके चलते ये पूरा विवाद हुआ। घटना के बाद से राज्यभर के तहसीलदार आंदोलन पर चले गए थे। वहीं वकीलों ने भी राजस्व कर्मचारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। मारपीट के आरोप में कुछ वकीलों को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है।

बीजेपी ने दिया आंदोलन को समर्थन

सोमवार को पूर्व आईएएस अधिकारी और बीजेपी नेता ओपी चौधरी और कुछ अन्य नेताओं ने वकीलों से मुलाकात की। अंबेडकर चौक में चल रहे आंदोलन में मुलाकात के बाद बीजेपी नेताओं ने वकीलों के आंदोलन का समर्थन कर दिया। ओपी चौधरी ने वकीलों से कहा कि इस आंदोलन में हम आपके साथ हैं। छत्तीसगढ़ में तहसीलदारों की हड़ताल स्थगित-राजस्व कोर्ट की सुरक्षा के आदेश के बाद फैसला; लेकिन भ्रष्टाचार पर टकराव बढ़ा, बिलासपुर में सड़क पर उतरे वकील

गिरफ्तार वकीलों को छोड़िए फिर मिलेंगे

रविवार को अधिवक्ताओं ने कहा था कि राज्य के राजस्व कोर्ट में भारी भ्रष्टाचार है। यह स्थिति केवल रायगढ़ राजस्व कोर्ट की नहीं बल्कि सभी जगह है। आरोप लगाया कि वहां बोलियां लगती हैं और फैसले बेचे जाते हैं। लोगों की भावनाओं, न्याय और फैसलों की खरीदी-बिक्री होती है। इन स्थितियों में इन कोर्ट का अधिवक्ता लगातार बहिष्कार करेंगे। वकीलों ने कलेक्टर से मिलने से ये कहते हुए इनकार कर दिया था कि पहले गिरफ्तार वकीलों को रिहा किया जाए तब बात होगी। वकीलों ने रविवार को पूरे घटनाक्रम के विरोध में रैली निकाली थी।

इन मांगों को लेकर आंदोलन

- जिला अधिवक्ता संघ रायगढ़ के अधिवक्ताओं के विरुद्ध की गई झूठी एफआईआर वापस ली जाए।
- राजस्व अधिकारियों से सिर्फ प्रशासनिक कार्य ही कराएं।
- राजस्व अधिकारियों से उनके न्यायिक कार्य को वापस लेकर जिला कोर्ट के क्षेत्राधिकार में लाया जाए।
- एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए।
- सभी राजस्व अधिकारियों व पटवारियों के ऑफिस में सीसीटीवी कैमरा लगवाया जाए, जिसकी मॉनिटरिंग कलेक्टर करें और 24 घंटे में सार्वजनिक हो।
- सभी राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ लंबित आपराधिक शिकायत में प्रथम सूचना पत्र पत्र तत्काल दर्ज किया जाए।
- प्रत्येक जिला कार्यालय में ईओडब्ल्यू के थानों की स्थापना की जाए।
- लोक सेवा केंद्र को समाप्त किया जाए।
- एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू होने तक किसी भी अधिवक्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने से पहले अधिवक्ता संघ की सहमति अनिवार्य हो।
- सभी राजस्व अधिकारियों से उनकी संपत्ति की घोषणा कराई जाए

डॉ. डहरिया ने शिव मंदिर में पूजा अर्चना की

महासमुन्द। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने आज महासमुन्द जिले के प्रसिद्ध सिरपुर भ्रमण के दौरान सपरिवार वहां शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। डॉ. डहरिया ने सिरपुर के प्रसिद्ध लक्ष्मण मंदिर तथा अन्य पुरातत्विक धरोहरों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर श्रीमती सकुन डहरिया सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

सड़क हादसे में रायपुर के कारोबारी की मौत

ओपन जीप में परिजनों के साथ मंदिर जाने निकला था, पीछे से आई गाड़ी ने मार दी टक्कर

रायपुर। रायपुर के एक कारोबारी की अभनपुर में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। ये घटना रविवार को हुई, अब घटना स्थल की भयावह तस्वीरें सामने आई हैं। तस्वीरें में दिख रहा है कि टक्कर के बाद ओपन जीप की ड्राइविंग सीट पर बैठे कारोबारी के शरीर का आधा हिस्सा जीप में फंसा है और सिर सड़क पर टकराकर फट गया है। जीप में बैठे उसके तीन परिजनों को भी चोटें आई हैं। इस हादसे में जिस एसयूवी ने जीप को टक्कर मारी उसमें बैठे तीन लोग भी घायल हैं। सभी को अभनपुर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अभनपुर थाने से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार शाम तक इनमें से कोई भी फिलहाल बात कर पाने की स्थिति में नहीं है। सिर्फ घटना के फौरन बाद मृतक के भाई ने बताया था कि वो लोग रायपुर से धमतरी के अंगारमोती मंदिर जाने निकले थे।

ओवरटेक करने के चक्कर में हादसा

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस हादसे का शिकार हुए रायपुर के व्यवसायी संजय जंघेल उर्फ संजू हैं। ये परिवार के साथ रायपुर में स्टेशन रोड़ लोधीपारा में रहते हैं। ओपन जीप इनका छोटा भाई शिव शंकर ऊर्फ तुलसी जंघेल चला रहा था। सात पारा पेट्रोल पम्प के पहले पहुंचे ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रही ब्रेजा ष्टत्र 10 क्च्र 5566 के ड्राइवर ने ओवरटेक करते हुए ओपन जीप को टक्कर मार दी। जीप चला रहे शिवशंकर उर्फ तुलसी की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठे जुगेश जंघेल , राजा जंघेल और यतिन्द्र जंघेल भी घायल हो गए। पुलिस ने ब्रेजा के ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है, मगर उसके भी घायल होने की वजह से जांच आगे नहीं बढ़ी है। घायलों के सामान्य होने के बाद उनके बयान लिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल को पुण्यतिथि पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नदृष्टा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और कृषक नेता स्वर्गीय डॉ. खूबचंद बघेल की 22 फरवरी को पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सादर नमन किया है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि डॉ. खूबचंद बघेल ने अपना पूरा जीवन समाज और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया।

उन्होंने शिक्षा, सहकारिता के क्षेत्र सहित सामाजिक आंदोलनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा है कि डॉ. खूबचंद बघेल न सिर्फ छत्तीसगढ़ के स्वप्न दृष्टा थे बल्कि छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान के प्रतीक थे। वे चाहते थे कि छत्तीसगढिया स्वाभिमान से जिये, स्वावलंबी हो तथा जीवन के सभी क्षेत्रों में भी उनका विकास हो। वे छत्तीसगढ़ी संस्कृति को बढ़ावा देने के भी प्रबल पक्षधर रहे। उन्होंने छत्तीसगढ की अस्मिता और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए किए गए संघर्ष में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। श्री बघेल ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान खूबचंद जी ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

पत्नी छोड़कर चली गई तो युवक ने फांसी लगाकर दी जान

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में सोमवार सुबह एक युवक का शव उसके ही घर में पंखे से लटका मिला। युवक की खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि युवक ने दो शादियां की थीं, लेकिन दोनों की पत्नियां छोड़कर चली गईं। इसके बाद नशे का आदी हो गया था। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम कोसमंदा निवासी कैलाश चौहान (32) पुत्र बाबूलाल चौहान ने फांसी लगा ली। सोमवार सुबह करीब 6.30 बजे जब परिजन उसे चाय देने गए तो कमरा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने पर भी नहीं खुला तो उन्होंने खिड़की से झांका तो अंदर पंखे से उसका शव लटक रहा था। आसपास के लोगों में बात फैली तो उन्होंने ही पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि युवक की दो शादियां हुई थी। दोनों पत्नी उसके साथ नहीं रहती थी। वह शराब पीने का आदी था और नशे में धुत रहता था। पारिवारिक समस्याओं को लेकर भी परेशान था। आशंका जताई जा रही है कि नशे की आदत और पारिवारिक समस्याओं के चलते ही उसने खुदकुशी की है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बालगृह दर्री के अधीक्षक को हटाने के निर्देश

रायपुर। सोशल रियाईवल ग्रुप ऑफ अरबन रूरल एंड ट्राईबल (स्त्रोत) संस्था सिंचाई कॉलोनी दर्री, जिला कोरबा के बालगृह (बालक) में रहने वाले 13 वर्षीय बालक महावीर घसिया, पिता स्वर्गीय प्रेम लाल घसिया के नहर में डूबने से मृत्यु के मामले में प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बालगृह के अधीक्षक को हटाने का निर्देश दिया है। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। जांच टीम में जिले के अपर कलेक्टर, जिला कार्यक्रम अधिकारी और नगर पुलिस अधीक्षक दर्री को शामिल किया गया है। जांच टीम सम्पूर्ण घटना की दो दिनों के भीतर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। एडीएम कोरबा ने बताया कि जांच में एनजीओ या उसके अधीक्षक की गलती पाई जाती है तो बालगृह के संचालक एनजीओ को पृथक करने का निर्णय लिया जाएगा। भविष्य में अन्य बालगृहों में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए भी कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में सभी एनजीओ की बैठक बुलाई गई है। मृतक बालक महावीर घसिया शासकीय माध्यमिक शाला दर्री में कक्षा सातवीं का छात्र था। बाल कल्याण समिति के आदेश से वह एनजीओ द्वारा संचालित दर्री के बालगृह (बालक) में रह रहा था। बालक महावीर विगत 19 फरवरी को सुबह लगभग 7 बजे अन्य बालक विक्की चौहान के साथ सायकल में शिव नगर नहर की ओर चला गया था।

गृहमंत्री की अध्यक्षता में राजनीतिक प्रकरणों की वापसी से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन

रायपुर। गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू की अध्यक्षता में आज उनके निवास कार्यालय में राजनीतिक प्रकरणों की वापसी से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस समीक्षा बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री श्री शिवकुमार डहरिया, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल उपस्थित थे। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक तथा विधि विभाग से मिली अनुशंसाओं पर राजनीतिक प्रकरणों की वापसी के निर्णय हेतु आयोजित बैठक में कुल 46 प्रकरण समिति के सामने प्रस्तुत किए गए। इनमें से 32 प्रकरणों को राजनीतिक मानते हुए इन्हें वापस लेने की अनुशंसा की गई। 13 प्रकरणों को बैठक में अमान्य कर दिया गया तथा एक प्रकरण को पुनः विवेचना के लिए वापस भेजने का निर्णय लिया गया है। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा समेत विधि विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

एनजीटी के निर्देश का गंभीरता से पालन करें : मुख्य सचिव

रायपुर। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने ठोस अपशिष्ट एवं सीवेज के प्रबंधन के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों का सजगता और गंभीरता से पालन करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है। मुख्य सचिव आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष प्रस्तुतीकरण करने के संबंध में की गई आवश्यक तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू भी मौजूद थे। मुख्य सचिव ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के प्रावधानों के अनुसार राज्य के नगरीय निकायों एवं पंचायतों में प्रतिदिन उत्पन्न, संग्रहित और

उपचारित होने वाले अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में नगरीय प्रशासन एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इसी तरह से राज्य के मॉडल टाउन और पंचायतों में शत-प्रतिशत एनजीटी के नियमों के पालन करने के निर्देश दिए है। मुख्य सचिव ने सीवरेज मैनेजमेंट के कार्यों की समीक्षा करते हुए घरेलू दूषित जल उपचार संयंत्रों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित इस बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती रेणु जी पिल्ले, प्रमुख सचिव वाणिज्य एवं उद्योग श्री मनोज पिंगुआ, सचिव जल संसाधन श्री अविनाश चम्पावत, सचिव स्वास्थ्य सुश्री शहला निगार, सचिव नगरीय प्रशासन सुश्री अलरमेल मंगई डी. सहित पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारी उपस्थित थे।

बारात लेकर लौटा दूल्हा दुष्कर्म में गिरफ्तार

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में एक दूल्हे को पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर पहले एक आंगनबाड़ी महिला कार्यकर्ता से संबंध बनाए, फिर एक अन्य लड़की से ओडिशा में शादी कर ली। बारात लेकर आरोपी जैसे ही अपने गांव पहुंचा, पुलिस ने उसे दबोच लिया। पकड़ा गया मामला तपकरा थाना क्षेत्र का है। नकारी के मुताबिक, तपकरा निवासी अनिरूद्ध सिंह फरसाबहार जनपद में तकनीकी सहायक है। उसकी शादी 19 फरवरी को ओडिशा के राउरकेला में थी। वह 18 फरवरी को बारात लेकर गया। वहां धूमधाम से शादी हुई और फिर दुल्हन को विदा करा अगले दिन घर तपकरा लेकर पहुंचा।

तभी उसके इंतजार में मौजूद तपकरा थाना पुलिस भी पहुंच गई और उसे दुष्कर्म के आरोप में पकड़ लिया।

अनिरूद्ध सिंह के खिलाफ एक आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका ने 19 फरवरी को ही एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि युवती और अनिरूद्ध का पिछले 4 साल से संबंध था। वह अनिरूद्ध से प्यार करती है और उसने भी शादी का वादा किया था। शादी का झांसा देकर 4 साल तक दुष्कर्म करता रहा। अब उसे पता चला कि अनिरूद्ध ने दूसरी लड़की से शादी कर ली है।

केजरीवाल : बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होई

नेहरू की तारीफ वहां की संसद में सिंगापुर के प्रधानमंत्री करते हैं। यह प्रेम की, सत्य की और आम लोगों के लिए की गई राजनीति का मीठा फल है। दूसरी तरफ छल प्रपंच की राजनीति कांटे ही कांटे पैदा करती है। शुरू में जब भले लोगों को लग जाता है तो बिखेरने वाले बहुत खुश होते हैं। मगर कुछ समय बाद खुद ही चारों तरफ से अपने उगाए हुए कांटों से घिर जाते हैं। आज केजरीवाल ऐसे ही कांटों से घिर गए हैं। आगे दूसरे भी नहीं बच पाएंगे। पंजाब में वोट पड़ गए। क्या होगा किसी को नहीं पता। 10 मार्च ही बताएगी। मगर इस पंजाब चुनाव ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निपटा दिया। राजनीति भी अजीब शय है। जिस दांव से आप आते हैं, उसी दांव से चित भी हो जाते हैं। केजरीवाल 2013 में इसी तरह सब पर कीचड़ उछालकर दिल्ली में सत्ता पाने में सफल हुए थे। %सब मिले हुए हैं जी!% उनका प्रिय डायलाग हुआ करता था। हर एक के खिलाफ झूठा प्रचार, अफवाहें, चरित्रहनन। किसी को नहीं छोड़ा। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी नहीं। 9 साल उनकी सरकार को और 8 साल उस समय की उनकी सहयोगी भाजपा को हो रहे हैं। मगर आज तक मनमोहन सिंह और सोनिया पर एक मामला नहीं बना पाए। मगर उस समय पूरी अन्ना टीम इस तरह प्रचार कर रही थी कि बस लोकपाल बना और यह सब अंदर। मगर न लोकपाल बना और अंदर करना तो बहुत बड़ी बात किसी के खिलाफ एक जांच तक बिठाने की हिम्मत नहीं कर पाए। क्यों? क्योंकि जो आरोप लगे थे वे सब राजनीति से प्रेरित थे और मिथ्या थे। वक्त ने करवट ली। जो कभी साथ बैठकर कांग्रेस के खिलाफ योजनाएं बनाते थे कि आज कौन सा आरोप लगाया जाए, कौन सी अफ़वाह फैलाई जाए, कौन सी कहानी ज्यादा चलेगी? मीडिया के अपने दोस्तों से पूछते थे कि किसके खिलाफ़ अन्ना से बुलवा दें? क्या चलाना है आज? वे ही आपस में एक दूसरे से भिड़ गए। और जैसा कि जासूसी उपन्यासों में बताया जाता है कि जब गेंग के सदस्य आपस में एक दूसरे से लड़ते हैं तो वह सबसे खराब और गिरी हुई श्रेणी की लड़ाई होती है। ये लोग शायद जासूसी उपन्यास पढ़ते भी बहुत हैं। उसी तरह के आरोप, षड़यंत्र, महाराष्ट्र से एक व्यक्ति को लाकर दिल्ली में दूसरा गांधी बताकर भूख हड़ताल पर बिठाने के सारे काम इन लोगों ने वैसे ही किए। और फिर जब उपन्यास का एंटी क्लाइमैक्स आया तो इनमें से ही एक कुमार विश्वास ने दूसरे जो सबसे ज्यादा सफल हो गए थे केजरीवाल पर देशद्रोह से लेकर देश तोड़ने के सब आरोप लगा दिए। ठीक वही दांव मारा जो इन दोनों और बाकी सबने मिलकर कांग्रेस पर मारा था। कांग्रेस की सरकार पहले दिल्ली में और फिर यूपीए की केन्द्र में चली गई। मगर यहां तो पंजाब में केजरीवाल केवल हसीन सपने ही देखते रह गए और चुनाव से ठीक पहले कुमार विश्वास ने न केवल उनकी पंजाब की हवा बिगाड़ दी बल्कि दिल्ली में भी उनकी गद्दी हिला दी। पता नहीं कुमार विश्वास का आरोप कि केजरीवाल पंजाब को एक अलग देश बनाकर उसके पहले प्रधानमंत्री बनने की योजना बना रहे थे कितना सही है। मगर जैसा कि ऊपर लिखा कि यह जासूसी उपन्यासों पर विश्वास करने वाले लोग कुछ भी सोच सकते हैं। विश्वसनीयता न केजरीवाल की है और न कुमार विश्वास की। मगर इन लोगों ने जो सबसे खराब काम किया कि झूठ की चटपटी बातों का जनता को नशा चढ़ा दिया। मीडिया ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसलिए आज जब कुमार विश्वास ने कहा कि भेड़िया, भेड़िया तो बहुत लोगों ने यकीन कर लिया। और नतीजा यह हुआ कि केजरीवाल की पतंग गिरना शुरू हो गई। खुद केजरीवाल, कुमार विश्वास के आरोपों का सख्ती से जवाब नहीं दे पाए। ऐसे ही कमजोर सा प्रतिवाद किया। गंभीर आरोप को मजाक बनाने की कोशिश करते हुए कहा कि मैं तो स्वीट आतंकवादी हूं। और सबसे आश्चर्यजनक कि उनकी पार्टी में कोई मजबूती से उनके साथ खड़ा नहीं दिखा। तीन में से दो जो राज्यसभा सदस्य बनाए हैं उनका तो नाम भी किसी को याद नहीं रहता। उनका बोलना तो किसी ने सुना ही नहीं। मगर बाकी भी कोई ऐसे गंभीर और साथ में बेहूदा आरोपों के जवाब में सामने नहीं आया।

जनता के भरोसे से आप का खिलवाड़

आम आदमी पार्टी के संस्थापकों में से एक कुमार विश्वास का कुछ दिनों पहले एक वीडियो सामने आने से राजनीति में नया तहलका मच गया कुमार विश्वास ने अरविंद केजरीवाल पर सत्तालोभी कहा ही, लेकिन इसके साथ ही उन्हें खालिस्तान समर्थक होने का गंभीर आरोप लगा दिया। आजाद भारत के इतिहास में खालिस्तान आंदोलन एक ऐसे गहरे घाव का नाम है, जिसके कारण लाखों जिंदगियां तबाह हुई, सैकड़ों कुर्बानियां हुईं। इंदिरा गांधी, बेअंत सिंह, जनरल ए एस वैद्य जैसे लोगों की हत्या हुईं। दो दशकों तक भारत इस जख्म से लहूलुहान होता रहा और सबसे अधिक भुगता पंजाब की जनता ने। ऐसे में महज सियासी फायदे के लिए खालिस्तान का नाम लेना अनैतिक ही नहीं, देश के साथ अन्याय भी है।

जब दिल्ली की सीमा पर कृषि कानूनों का विरोध करते हुए आंदोलनकारी किसान बैठे थे, तो सरकार समर्थकों ने इन किसानों को खालिस्तानी कह गलत ठहराना चाहा था। तब इस बात पर जोरदार आपत्ति दर्ज की गई थी। लेकिन अब पंजाब चुनाव के पहले एक बार फिर खालिस्तान का जिक्र हुआ। इस बार निशाने पर अरविंद केजरीवाल रहे, जो आम आदमी पार्टी के मुखिया हैं, दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं और अब पंजाब, गोवा, उत्तराखंड में भी आप की सत्ता स्थापित करना चाहते हैं। श्री केजरीवाल की राजनीति यूपीए सरकार के विरोध से शुरु हुई है। अन्ना आंदोलन से जुड़कर और भ्रष्टाचार के खिलाफ मसीहा बनने की कोशिश कर उन्होंने जनता के बीच अपनी पैठ मजबूत की। दिल्ली की जनता ने उन पर बार-बार भरोसा भी जतलाया। लेकिन जब इसी दिल्ली में शाहीन बाग का आंदोलन हुआ, दंगे हुए, तब अरविंद केजरीवाल से एक जननेता के तौर पर लोगों की जो अपेक्षाएं थीं, उन पर वो खरे नहीं उतरे। हिंदुत्व की राजनीति पर जिस तरह का रुझान उनका है, उसे लेकर अरविंद केजरीवाल को भाजपा की बी टीम भी कई बार कहा गया।

किसी दल का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन करना, किसी विचारधारा का समर्थन या विरोध करना, लोकतांत्रिक राजनीति में मान्य है। सत्ता के लिए कई बार वैचारिक प्रतिबद्धताओं को ताक पर रख कर जो समझौते किए जाते हैं, उन्हें भी अब स्वीकार कर लिया गया है। इसलिए अगर कांग्रेस को सत्ता से दूर करने के लिए या हिंदुत्व की राजनीति करते हुए भाजपा की मदद अरविंद केजरीवाल ने की भी है, तो उस पर ऐतराज नहीं जताया जा सकता। अगर जनता को यह बात नापसंद होगी, तो वह चुनाव में उसका हिसाब कर लेगी। लेकिन राजनैतिक फायदे के लिए अगर अलगाववाद को समर्थन दिया जा रहा है, तो यह एक गंभीर मसला है और इस पर सत्ता सुख से ऊपर देश को रखकर ही विचार करना होगा। कुमार विश्वास के आरोपों पर अरविंद केजरीवाल ने पहले उनकी छवि पर सवाल उठाए कि एक हास्य कवि की बात को गंभीरता से क्या लेना। इसके बाद उन्होंने खुद को स्वीट आतंकवादी कहा और फिर खुद को भगत सिंह का सच्चा अनुयायी बता दिया। श्री केजरीवाल बेशक भगतसिंह को आदर्श मानते होंगे, लेकिन अगर उनके आदर्शों की कद्र की होती तो उनके नाम को अपने बचाव के लिए ढाल की तरह इस्तेमाल नहीं किया होता। स्वीट आतंकवादी वाला उनका जवाब भी गले नहीं उतरता, क्योंकि इसमें अपने बचाव के लिए श्री केजरीवाल ने आतंकवाद जैसी गंभीर समस्या को बेहद हल्के ढंग से पेश करने की कोशिश की है। विश्व के करोड़ों लोग आतंकवाद के शिकार हैं और उनके जख्म, कड़वी यादें बताती हैं कि आतंक का कोई स्वाद नहीं होता। रहा सवाल कुमार विश्वास के हास्य कवि होने का, तो सवाल ये नहीं है कि अरविंद केजरीवाल को किस किस्म का साहित्य पसंद है। और साहित्य में यह पैमाना अभी बना नहीं है कि हास्य कवि गंभीर सवाल नहीं कर सकता। अगर कुमार विश्वास ने जो आरोप लगाए हैं, उन्हें श्री केजरीवाल खारिज करना चाहते हैं, तो उसके लिए उन्हें ठोस, तथ्यपरक बातें सामने रखनी होंगी। कुमार विश्वास आप के संस्थापकों में से एक रहे हैं, तो श्री केजरीवाल के ऊपर जो आरोप उन्होंने लगाए हैं, उन्हें सेंत-मेंत में खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन कुमार विश्वास भी केवल आरोप लगाकर अपनी जिम्मेदारी से बरी नहीं हो सकते। ऐन चुनाव के पहले उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर खालिस्तान को लेकर जो इल्ज़ाम लगाए हैं, उससे सवाल उठता है कि आखिर इतने दिनों तक उन्होंने चुप्पी क्यों साध रखी थी। खालिस्तान का मसला देशहित और देश की सुरक्षा से जुड़ा मसला है। अगर कुमार विश्वास को आपसी चर्चा में यह बात अरविंद केजरीवाल ने कही थी, तभी इसका खुलासा उन्होंने क्यों नहीं किया। अगर व्यक्तिगत संबंधों की खातिर श्री विश्वास चुप रहे, यह तब भी गलत था और अब अगर राजनैतिक स्वार्थ की खातिर वे बोल रहे हैं, तब भी गलत है। सही तब होता, जब वे तुरंत इस बात की शिकायत कानूनन दर्ज कराते, क्योंकि इससे करोड़ों जिंदगियों पर असर पड़ता है। बहरहाल, इस खुलासे से यह तो जाहिर हो ही गया है कि अपने-अपने निहित स्वार्थों के लिए अरविंद केजरीवाल और कुमार विश्वास दोनों ने, जनता के भरोसे से खिलवाड़ किया है।

गैर-बराबरी को गायब मानता बजट

ध्यान देने योग्य बात यह है कि पहले ही मनरेगा में बकाया मजदूरी का भुगतान बाकी है व इसके तुरंत भुगतान में सरकार को जरा भी देरी नहीं करनी चाहिए। शहरी निर्धन परिवारों की बढ़ती हुई समस्याओं को देखते हुए उनके लिए भी एक %रोजगार गांरटी योजना% का प्रस्ताव अनेक मंचों से उठा है। निर्माण मजदूरों के कल्याणकारी कानूनों के बारे में कोडिफिकेशन की प्रक्रिया में अनिश्चय की स्थिति उत्पन्न हुई है। ऐसे में शहरी निर्धन वर्ग के लिए भी बहुत राहत और बड़ी पहल की जरूरत है। इस वर्ष का केन्द्रीय बजट ऐसे समय में आया है जब निर्धन वर्ग गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। एक बड़े आंदोलन के बाद किसान भी सोच रहे थे कि यह बजट उनकी समस्याओं के बेहतर समाधान पर अधिक ध्यान देगा, पर इन उम्मीदों पर यह बजट खरा नहीं उतरा है। टिकाऊ व प्राकृतिक खेती के लिए प्रतिबद्ध अनेक किसान संगठनों व संस्थानों से जुड़े %आशा किसान स्वराज% ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि पिछले वर्ष भी कृषि व उससे जुड़े मुद्दों से संबंधित आबंटन कम था, पर इस वर्ष उसमें और भी कमी हुई है। यह क्षेत्र लगभग 16000 करोड़ रुपयों से वंचित हुआ है। यदि कुल बजट के प्रतिशत के रूप में देखा जाए तो कृषि व उससे जुड़े कार्यों का आबंटन पहले 3.87 प्रतिशत था जो अब 3.51 प्रतिशत हो गया है।

अपनी प्रतिक्रिया में आशा किसान स्वराज% ने कहा कि वर्ष 2022 में तो किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा था, पर इस वर्ष के बजट भाषण में यह मुद्दा उठाया तक नहीं गया। इस बारे में आंकड़े प्रस्तुत करते हुए संगठन ने बताया है कि इस लक्ष्य से तो अभी किसान बहुत दूर हैं। विभिन्न सरकारी प्रयासों से लाभान्वित होने वाले किसानों व लाभ की मात्रा में कमी आई है। %आशा किसान स्वराज% ने बताया है कि कृषि विकास की कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं व कार्यक्रमों में कटौतियां हुई हैं। उदाहरण के लिए किसान उत्पादन संगठन या एफपीओ के लिए वर्ष 2021-22 में 700 करोड़ रुपए का आबंटन हुआ था, जिसे संशोधित अनुमान में काटकर 250 करोड़ रुपए कर दिया गया है। कुछ अन्य कृषि विकास कार्यक्रमों के बजट में भी कटौती हुई है।

यह कोई सामान्य समय नहीं है और ऐसे में बहुत जरूरी था कि सरकार गरीबी व बेरोजगारी को कम करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करती। %संयुक्त राष्ट्र संघ% के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 की विकट स्थितियों में विश्व में जितने नए लोग गरीबी की चपेट में आए, उनमें से लगभग आधे, करीब 4 करोड़ से अधिक भारत में थे। दूसरी ओर %प्राईज

अपनी प्रतिक्रिया में आशा किसान स्वराज ने कहा कि वर्ष 2022 में तो किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा था, पर इस वर्ष के बजट भाषण में यह मुद्दा उठाया तक नहीं गया। इस बारे में आंकड़े प्रस्तुत करते हुए संगठन ने बताया है कि इस लक्ष्य से तो अभी किसान बहुत दूर हैं। विभिन्न सरकारी प्रयासों से लाभान्वित होने वाले किसानों व लाभ की मात्रा में कमी आई है। आशा किसान स्वराज ने बताया है कि कृषि विकास की कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं व कार्यक्रमों में कटौतियां हुई हैं।

संस्थान, मुम्बई% के विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 2015-16 और 2020-21 के बाद भारत के सबसे निर्धन 20 प्रतिशत परिवारों की आय में 53 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि इससे पहले के दशक में वर्ष 2005-06 से 2015-16 के दौरान उन्होंने उल्लेखनीय आय वृद्धि दर्ज की थी।

वर्ष 2021 के उपभोक्ता आंकड़ों के विश्लेषण से %सेंटर फॉर मानिटरिंग इंडियन इकॉनॉमी% ने बताया है कि लगभग 84 प्रतिशत भारतीयों की स्थिति में कुछ-न-कुछ गिरावट हुई है। इस तरह की गिरावट की स्थिति ने अधिकांश भारतीयों को अपनी चपेट में लिया है। इसी सेंटर के एक अन्य विश्लेषण ने बताया गया है कि 20-24 वर्ष आयु वर्ग के स्नातकों में बेरोजगारी 60 प्रतिशत तक पंहुच गई है, जबकि वर्ष 20-29 आयु वर्ग में यह 43 प्रतिशत तक पहुंच गई है। निश्चय ही यह बहुत चिंताजनक स्थिति है।

आज यह विश्व स्तर पर चर्चा का विषय है कि जनसाधारण, विशेषकर निर्धन वर्ग की बढ़ती कठिनाईयों के दौर में विषमताएं तेजी से बढ़ी हैं। %प्राईज% के सर्वेक्षण के अनुसार जहां नीचे के 20 प्रतिशत परिवारों की आय वर्ष 2015-16 व वर्ष 2020-21 के बीच 53 प्रतिशत कम हुई, वहां ऊपर के 20 प्रतिशत परिवारों की आय ने 39 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। आक्सफैम विषमता रिपोर्ट ने बताया है कि विशेषकर भारत के अरबपतियों की संपत्ति व आय में हाल के समय में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। सबसे धनी 98 अरबपतियों के पास जो संपत्ति है वह देश के 55 करोड़ लोगों (नीचे की 40 प्रतिशत जनसंख्या) के बराबर है।

इस स्थिति में यह स्पष्ट है कि बड़ी समतावादी पहल की जरूरत बहुत बढ़ गई है। इस संदर्भ में बजट की महत्वपूर्ण भूमिका हो जाती है। बजट को चाहिए कि वह समतावादी सोच को आगे बढ़ाए, अरबपतियों व अति धनी वर्ग पर समुचित टैक्स लगाकर उनसे पर्याप्त संसाधन जुटाए व इन्हें निर्धन वर्ग को उपलब्ध करवाए। इससे निर्धन परिवारों को बहुत राहत तो मिलेगी ही, साथ ही अर्थव्यवस्था भी समतामूलक रिकवरी के दौर में आएगी। जब अति धनी व्यक्तियों की आय वृद्धि होती है, तो उसका अर्थव्यवस्था पर कोई सकारात्मक असर नहीं होता, जबकि यदि निर्धन परिवारों की आय वृद्धि होती है तो इससे अर्थव्यवस्था पर गुणात्मक या मल्टीप्लायर असर होता है। यानि निर्धन वर्ग की आवश्यकताओं की पूर्ति से कई स्तरों पर अर्थव्यवस्था में सक्रियता आती है व समतामूलक वृद्धि होती है। इस स्थिति में प्रस्तुत होने वाले बजट के लिए यह बहुत जरूरी था कि वह एक साधारण बजट की तरह न होकर निर्धन व जरूरतमंद को विशेष और बड़ी राहत देने वाला बजट सिद्ध हो। दुर्भाग्यवश वर्ष 2022-23 के बजट में निर्धन परिवारों को राहत देने के लिए, तेजी से बढ़ती विषमताओं को कम करने के लिए व समता लाने के लिए कोई बड़ी पहल नहीं हुई। निश्चय ही सरकार की गरीबी को कम करने की अनेक योजनाएं हैं, कार्यक्रम हैं, वे पहले की तरह चल रहे हैं (प्राय- लक्ष्यों से पीछे चल रहे हैं), पर आज की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए जो निर्धन पक्ष के लिए एक बड़ी पहल की जरूरत थी वह कहीं नजर नहीं आती। इस तरह निर्धन परिवारों को बड़ी राहत देने का, विषमता कम करने का जो बड़ा अवसर सरकार के पास था, उसे सरकार ने गंवा दिया है। बजट भाषण में हमने सुना है कि तराशे हुए हीरे-मोती पर कस्टम कम कर दिया गया है, नदी-जोड़ योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा, एक्सप्रेस वे व हाईवे कोप्राथमिकता दी जाएगी, लेकिन इस समय यह सब देश की सबसे बड़ी जरूरतों के अनुकूल नहीं है।

आतंक की जड़ें

में दहशतगर्दी को नेस्तनाबूद करने की कोशिशें उम्मीद के मुताबिक सिरे नहीं चढ़ पा रहीं। जब-तब आतंकी सिर उठाते देखे जाते हैं। हालांकि पिछले चार-पांच सालों में सघन तलाशी अभियान और सीमा पार से होने वाली घुसपैठ पर पैनी नजर रखी जाने की वजह से दहशतगर्दों के मंसूबों पर पानी फेरने में काफी कामयाबी मिली है। मगर आतंकी आए दिन घात लगा कर कोई बड़ी घटना अंजाम दे जाते हैं। करीब दो महीने पहले ही पुलिस की बस पर हमला कर उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे डाली। इसके अलावा छिटपुट हमले करते ही रहते हैं।

ताजा घटना शोपियां की है, जिसमें तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बल के दो सैनिक शहीद हो गए। हालांकि उसमें एक आतंकवादी को भी मार गिराया गया और सारे इलाके में गहन तलाशी अभियान जारी है। मगर इससे फिर रेखांकित हुआ है कि घाटी में आतंकवाद की न सिर्फ जड़ें मौजूद हैं, बल्कि वे पनपनी शुरू हो गई हैं। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद वहां लंबे समय तक कर्फ्यू लगा रहा, संचार सुविधाएं स्थगित रहीं, सेना की चौकसी बढ़ी हुई थी। तब आतंकी घटनाओं पर भी लगाम लगी हुई थी। मगर जैसे ही वहां की स्थितियां सामान्य करने के लिए ढिलाई शुरू हुई, वैसे ही फिर से दहशतगर्दी ने अपने पांव पसारने शुरू कर दिए।

यों सरकार दावे करती रही है कि घाटी में आतंकवादी घटनाएं काफी कम हो गई हैं, पहले से

सुरक्षा चौकसी बढ़ी है और सीमा पार से घुसपैठ पर लगाम लगी है, आतंकियों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों के खिलाफ शिकंजा कसा है। मगर इन सबके बावजूद अगर रह-रह कर आतंकी घटनाएं घट जा रही हैं, तो यह सवाल स्वाभाविक है कि आखिर कैसे उन्हें मदद मिल रही है। उनके पास हथियार और दूसरे संसाधन कैसे पहुंच पा रहे हैं।

उन्हें कौन वित्तीय मदद पहुंचा रहा है। ऐसा भी नहीं माना जा सकता कि वे जबरन किसी घर में घुस कर छिपे रहते होंगे, क्योंकि जब तक स्थानीय लोगों का उन्हें समर्थन प्राप्त नहीं होगा, तब तक उन्हें अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाबी नहीं मिल सकती। कई मौकों पर देखा गया है कि सुरक्षा बल तलाशी के लिए पहुंचते हैं, तो गांव वाले उनके खिलाफ घेरेबंदी कर लेते या पत्थरबाजी वगैरह शुरू कर देते हैं। यह छिपी बात नहीं है कि घाटी में दहशतगर्दी को खुराक पाकिस्तान पहुंचाता है, मगर स्थानीय लोग जब तक उसका साथ नहीं देंगे, वह कामयाब कतई नहीं हो सकता। इसलिए अनेक मौकों पर सलाह दी जाती रही है कि सिर्फ बंदूक के बल पर आतंकवाद से नहीं निपटा जा सकता। इसमें स्थानीय लोगों का सहयोग जरूरी है। स्थानीय लोगों में भरोसा पैदा होगा कि उनका मुस्तकबिल इसी मुल्क में महफूज है, तो वे खुद इसके विरोध में उतरेंगे। आखिरकार आतंकवाद की दोहरी मार घाटी के लोगों को ही झेलनी पड़ती है। कभी सेना उन पर ज्यादती करती है, तो कभी दहशतगर्द। कश्मीरी नौजवानों की बेकारी भी इसमें एक बड़ा मुद्दा रहा है, क्योंकि रोजगार न होने की वजह से उन्हें आतंकवादी संगठन और अलगाववादी ताकतें बरगला कर हाथों में हथियार उठाने को उकसा पाती हैं। अभी कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली के प्रयास चल रहे हैं, मगर उसका सही अर्थों में तब तक कोई लाभ नहीं होगा, जब तक स्थानीय लोगों का मन न जीता जाए। घाटी में आतंकवाद को लेकर नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

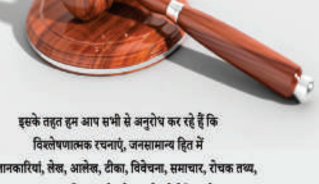

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

एथलेटिक थेरेपिस्ट खेलों से जुड़ा कॅरियर

एथलेटिक थेरेपिस्ट का मुख्य काम मेडिकल साइंस की मदद से किसी भी खिलाड़ी को उसकी चोटों से तुरंत उबारना होता है। इतना ही नहीं, वह खिलाड़ी की परफार्मेंस सुधारने में भी काफी मदद करते हैं। वह खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक तरीकों के बारे में बताते हैं, जिसके कारण वह चोटिल होने पर जल्द से जल्द वापसी कर पाते हैं।

आज के समय में लोगों के मन में सिर्फ क्रिकेट के प्रति ही प्रेम नहीं है, बल्कि वह अन्य भी कई तरह के खेलों की तरफ अपना रूझान दिखा रहे हैं। भारत में अब जिस तरह खेलों को बढ़ावा मिल रहा है, उसने इसमें कॅरियर की नई संभावनाओं को जन्म दिया है। वैसे यह जरूरी नहीं है कि आप केवल खिलाड़ी बनकर ही स्पोर्ट फील्ड में खुद को स्थापित करें। अगर आप खेलों में विशेष दिलचस्पी रखते हैं तो बतौर एथलेटिक थेरेपिस्ट बनकर भी एक उज्जवल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस फील्ड के बारे में–

क्या होता है काम

एक एथलेटिक थेरेपिस्ट का मुख्य काम मेडिकल साइंस की मदद से किसी भी खिलाड़ी को उसकी चोटों से तुरंत उबारना होता है। इतना ही नहीं, वह खिलाड़ी की परफार्मेंस सुधारने में भी काफी मदद करते हैं। वह खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिक तरीकों के बारे में बताते हैं, जिसके कारण वह चोटिल होने पर जल्द से जल्द वापसी कर पाते हैं। साथ ही खेल के दौरान वह खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसे तुरंत राहत पहुंचाते हैं।

स्किल्स

अगर आप एथलेटिक थेरेपिस्ट बनना चाहते हैं तो आपके भीतर कुछ स्किल्स होना बेहद जरूरी है। सबसे पहले तो आपके भीतर खेलों के प्रति लगाव होना चाहिए। साथ ही आपके भीतर दृढ़ निश्चय होना चाहिए और खिलाड़ी को मोटिवेट भी करने का स्किल्स हो। चूंकि आपका काम चोट व हेल्थ से जुड़ा है, इसलिए आपको क्लीनिकल एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको मेडिसन के क्षेत्र में हो रहे लेटेस्ट डेवलपमेंट पर भी पैनी नजर रखनी चाहिए।

योग्यता

अगर आप बतौर एथलेटिक थेरेपिस्ट अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं तो आपके पास स्पोर्टस मेडिसिन में एमबीबीएस, व स्पोर्टस फिजिकल थेरेपी में मास्टर्स डिग्री होनी चाहिए। वहीं आप फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल करके भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

संभावनाएं

चूंकि स्पोर्टस को हर देश में काफी बढ़ावा दिया जाता है, इसलिए उससे जुड़े कॅरियर में भी संभावनाओं की कमी नहीं होती। कोर्स करने के बाद स्पोर्ट कंपनी, स्पोर्टस क्लब, नेशनल टीम, राज्य टीम या किसी स्पोर्टस एकेडमी के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

आमदनी

एक प्रोफेशनल एथलेटिक थेरेपिस्ट को काफी अच्छी सैलरी मिलती है। इस क्षेत्र में शुरूआती सैलरी ही 30000 रूपए से 50000 रूपए के बीच होती है। वहीं कुछ सालों का एक्सपीरियंस होने के बाद आप लाखों में कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- गुरूनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर
- डी वाई पाटिल यूनिवर्सिटी, पुणे
- मणिपाल यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू

काउंसलिंग क्षेत्र में बनाएं अपना करियर

अगर आपसे कहा जाए कि जो काउंसलिंग आप अपने दोस्तों, भाई–बहनों और अन्य लोगों की करते हैं आप उसमें अपना करियर बना सकते हैं तो आप सोचेंगे कि क्या यह पॉसिबल है तो हम कहेंगे जी हां बिल्कुल। आप अगर लोगों के समस्याओं के समाधान करने का हुनर रखते हैं और उन्हें बेस्ट एडवाइस देते हैं तो ये आर्टिकल आपके करियर के लिए बेहद मददगार हो सकता है। काउंसलिंग का अर्थ केवल करियर काउंसलिंग से नहीं है बल्कि काउंसलिंग कई रूपों में कार्य करती है। कोई करियर काउंसलर बन सकता है तो केवल मेंटल काउंसरल या कोई स्कूल काउंसलर हो सकता है। काउंसलर बनने के लिए देश में कई सारे कोर्से मौजूद हैं जिनकी सहायता से आप काउंसलर बन सकते हैं। हम इस आर्टिकल में काउंसलर से संबंधित लगभग सभी विषयों पर चर्चा करेंगे।

काउंसलर बनने के लिए उपलब्ध कोर्स

10वीं और 12वीं करने के बाद काउंसलिंग से संबंधित डिप्लोमा और अन्य कोर्स किया जा सकता है।

सर्टिफिकेट इन काउंसलिंग– आप चाहें तो काउंसलिंग में सर्टिफिकेट कोर्स कर अपना करियर बना सकते हैं।

डिप्लोमा इन एजुकेशन काउंसलिंग– काउंसलिंग में डिप्लोमा हासिल कर काउंसलिंग में करियर बनाया जा सकता है।

बीए/ बीएससी इन साइकोलॉजी/ एप्लाइड साइकोलॉजी– यदि आप काउंसलिंग के क्षेत्र में और बेहतर करियर बनाना चाहते हैं तो ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त कर काउंसलर बना जा सकता है।

एमए/ एमएससी साइकोलॉजी/ एप्लाइड साइकोलॉजी/ काउंसलिंग साइकोलॉजी– काउंसलिंग के क्षेत्र में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त कर भी करियर को नई दिशा दी जा सकती है।

एमएड इन गाइडेंस साइकोलॉजी– एम एड की डिग्री हासिल कर काउंसलिंग के क्षेत्र में करियर की दिशा को नई उड़ान दी जा सकती है।

एमएससी इन साइकोलॉजिकल काउंसलिंग/ **काउंसलिंग एंड साइकोथेरेपी**– एमएससी करने के बाद भी काउंसलिंग के क्षेत्र में कार्य किया जा सकते है।

एमफिल इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग– एमफिल करने के बाद आप काउंसलिंग के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकते हैं।

पीजी डिप्लोमा इन काउंसलिंग साइकोलॉजी/ गाइडेंस एंड काउंसलिंग/ साइकोलॉजिकल काउंसलिंग– अगर आप ग्रेजुएशन नहीं भी करना चाहते तो आप केवल पीजी डिप्लोमा भी कर सकते है और काउंसलर बन सकते हैं।

उपलब्ध संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक कोऑपरेशन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट, नई दिल्ली
- नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग, नई दिल्ली
- महाऋषि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, बनारस
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- अलीगढ़ यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
- क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर

पढ़ाई में कमजोर बच्चों के लिए ये टिप्स होंगे कारगर

अगर आपको बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाना है तो पहले आपको समस्या की जड़ को समझना होगा। कुछ बच्चों को किताबी बातें कम समझ में आती हैं। ऐसे में आप उन्हें खेल-खेल में या फिर वीडियो आदि के जरिए भी किसी कान्सेप्ट को सिखा सकते हैं। आज के काम्पिटिटिव युग में बच्चों पर पढ़ाई काफी प्रेशर रहता है। लेकिन जरूरी नहीं है कि हर बच्चा चीजों को उतना जल्दी और बेहतर तरीके से समझ पाए। चूंकि हर बच्चा अलग होता है और इसलिए उनका आईक्यू लेवल भी अलग होता है। अगर बच्चा पढ़ाई में कमजोर है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उस पर गुस्सा किया जाए या उसे दंड दिया जाए। बस आपका बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाने के लिए कुछ आसान उपाय बता रहे हैं-

समझें परेशानी

अगर आपको बच्चों को पढ़ाई में बेहतर बनाना है तो पहले आपको समस्या की जड़ को समझना होगा। कुछ बच्चों को किताबी बातें कम समझ में आती हैं। ऐसे में आप उन्हें खेल–खेल में या फिर वीडियो आदि के जरिए भी किसी कान्सेप्ट को सिखा सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, हो सकता है कि बच्चा मन ही मन किसी बात को लेकर परेशान हो और इसलिए वह पढ़ाई पर उतना ध्यान ना दे पा रहा हो। इसलिए पहले उसकी परेशानी समझें और उसके बाद ही उसकी समस्या को हल करें।

अलग से दें ध्यान

जो बच्चा चीजों को धीरे–धीरे समझता है, वह अक्सर पढ़ाई में पीछे रह जाता है। मसलन, अगर बच्चा पिछले पाठ को ठीक से नहीं समझ पाया है तो उसे अगला पाठ समझने में भी परेशानी हो सकती है। इस तरह, वह धीरे–धीरे पीछे होने लगता है। ऐसे में उस पर अलग से ध्यान देने की जरूरत होती है। आप तीस बच्चों की क्लास में उसे सही से नहीं पढ़ा सकते। कोशिश करें कि आप उसे अलग से समय दें और उसके मन की सभी कन्फयूजन को दूर करें।

करें प्रोत्साहित

यह भी एक समस्या है, जो अक्सर कमजोर बच्चों के साथ देखी जाती है। जिस तरह बच्चा पढ़ाई में धीरे–धीरे कमजोर होता जाता है, उसका आत्मविश्वास भी गिरने लगता है। ऐसे में उनको लगता है कि वह कभी भी पढ़ाई में अच्छा नहीं कर सकते। इसलिए ऐसे बच्चों को बेहतर बनाने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है उन्हें प्रोत्साहित करना। जब आप उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा करेंगे तो वो पढ़ाई में अतिरिक्त ध्यान लगा पाएंगे। हालांकि अगर बच्चे को किसी स्पेशल नीड्स की जरूरत है तो उसकी जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाएं।

तय करें समय

कमजोर छात्रों को पढ़ाई में बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त मेहनत की जरूरत होती है। इसलिए उनके लिए पढ़ाई का समय तय करें। जिस विषय में वह कमजोर हैं, उनके लिए अतिरिक्त समय निकालें। बच्चे को रेग्युलर और तय समय पर जरूर पढ़ाएं। कभी भी उनकी पढ़ाई का नियम ना तोड़े और पढ़ाते समय बच्चों के साथ धैर्य बरतें। कभी भी उन पर गुस्सा ना करें।

इंटर्नशिप कर रहे हैं आप तो ध्यान रखें ये बातें

पढ़ाई पूरे करने के बाद जब छात्र प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखते हैं तो उनकी शुरूआत होती है इंटर्नशिप के साथ। किताबी ज्ञान प्राप्त करने के बाद इंटर्नशिप व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। इतना ही नहीं, अगर इंटर्नशिप के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो इससे इंटर्नशिप समाप्त होते ही एक बेहतरीन नौकरी बेहद आसानी से मिल जाती है, वहीं जो छात्र इंटर्नशिप को सीरियसली नहीं लेते, उन्हें इंटर्नशिप खत्म होने के बाद एक अच्छी नौकरी के लिए दर–दर भटकना पड़ता है या फिर किसी छोटी–मोटी नौकरी से ही संतोष करना पड़ता है। तो चलिए जानते हैं कि इंटर्नशिप के दौरान अच्छी नौकरी पाने के लिए क्या किया जाए–

कंपनी में दिखाएं कौशल

सबसे पहला नियम यह याद रखें कि आप अपने काम को कभी भी हल्के में न लें। भले ही आपको काम के पैसे न मिल रहे हों लेकिन फिर भी एक प्रोफेशनल की तरह काम सीखें और दिए गए प्रोजेक्ट उतनी ही मेहनत से करें। इसके अतिरिक्त ऑफिस में कुछ छोटी–छोटी बातों का विशेष ध्यान रखें। मसलन, समय पर ऑफिस पहुंचना, नए काम को सीखने के लिए आतुर रहना और ऑफिस में प्रोफेशनलिज्म को मेंटेन रखें। साथ ही इस बात की भी कोशिश करें कि आपके द्वारा किया गया काम बॉस व एचआर की नजर में आए ताकि बाद में आप वहीं पर जॉब के लिए अप्लाई कर सकें।

निखारें गुण

किसी भी व्यक्ति को सफलता की सीढ़ी चढ़ने के लिए पहले स्वयं को तराशना पड़ता है। हो सकता है कि आप काम बेहद जल्द सीख जाएं या फिर आप अपनी फील्ड में कुछ ही दिनों में माहिर हो जाएं लेकिन अगर आप उसे दूसरों के सामने सही ढंग से पेश नहीं कर सकते तो वह सीखा गया काम भी व्यर्थ हो जाता है लेकिन खुद के गुणों को निखारने का प्रयास करें। अपने कम्युनिकेशन स्किल्स को निखारने व प्रेजेंटेबल बनने के लिए इंटर्निशप के दौरान ही शॉर्ट टर्म पर्सनैलिटी डेवलपमेंट क्लासेज लें। अगर आपका काम ऐसा है कि विदेशी क्लाइंटस से डील करना पड़ता है तो फॉरेन लैंग्वेज भी अवश्य सीखें। खुद को तराशने के बाद आपको न सिर्फ लोग नोटिस करेंगे, बल्कि किसी भी कंपनी में इंटरव्यू को क्लीयर करने में भी काफी मदद मिलेगी। इससे एक बेहतरीन नौकरी पाना बेहद सरल हो जाएगा।

जो छात्र इंटर्नशिप को सीरियसली नहीं लेते, उन्हें इंटर्नशिप खत्म होने के बाद एक अच्छी नौकरी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है या फिर किसी छोटी-मोटी नौकरी से ही संतोष करना पड़ता है।

सोशल मीडिया का सहारा

इंटरनेट के इस युग में जो व्यक्ति खुद की ब्रांडिंग नहीं कर पाता, उसके लिए अच्छी नौकरी पाना वाकई कठिन हो जाता है। खुद की ब्रांडिंग के लिए सोशल मीडिया का सहारा लें। खुद की वेबसाइट बनाएं या फिर विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने द्वारा किए गए काम को डिस्प्ले करें। साथ ही इंटर्नशिप के दौरान खुद की अचीवमेंट्स को हाईलाइट करना न भूलें। इससे बहुत सी कंपनियां जब आपके काम को देखेंगी तो हो सकता है कि वह सामने से ही आपको एक अच्छी जॉब ऑफर कर दें।

पढ़ाई रखें जारी

अगर आपने प्रोफेशनल दुनिया में कदम रख लिया है तो इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप अपनी पढ़ाई को अलविदा कह दें। भविष्य में बेहतरीन अवसर प्राप्त करने के लिए पढ़ाई को जारी रखें। मसलन, अगर आपने ग्रेजुएशन या संबंधित डिप्लोमा कोर्स के बाद ही इंटर्नशिप की है तो इंटर्निशप के साथ–साथ मास्टर्स की तैयारी करें। इस तरह अगर आप शुरूआती कुछ सालों में अधिक मेहनत करके अच्छी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन प्राप्त कर लेते हैं तो एक समय ऐसा आएगा, जब आपके पास बेहतरीन ऑफर्स की कमी नहीं होगी और आपके लिए उनमें से किसी एक को चुनना कठिन होगा।

सोशल मीडिया की मदद से मिलेगी बेहतरीन जॉब

ट्विटर एक ऐसा पब्लिक प्लेटफॉर्म है, जहां पर लोग पोस्ट करते हैं और शॉर्ट मैसेज एक्सचेंज करते हैं। चूंकि यह एक बेहद इनफार्मल मीडियम है, इसलिए इसे अपनी जॉब सर्च के लिए इस्तेमाल करते समय आपको काफी प्रोफेशनल होना होगा।

आज के समय में सोशल मीडिया सिर्फ अपने विचारों को व्यक्त करने या फिर नए लोगों से जुड़ने का ही एक साधन मात्र नहीं रह गया है। बल्कि वर्तमान में लोग एंप्लाय व कंपनियां दोनों ही इसका बेहद स्मार्टली इस्तेमाल कर रही हैं। जहां एक कुशल व्यक्ति इसकी मदद से अपनी योग्यताओं के अनुरूप जॉब ढूंढता है, वहीं कंपनियां भी अपनी जरूरत के हिसाब से एक बेहतरीन कर्मचारी को सोशल प्लेटफॉर्म पर ढूंढती हैं। ऑनलाइन सोशल नेटवर्क साइट्स अब अपने स्किल्स को एडवरटाइज करने का बेहतरीन प्लेटफॉर्म बन गई हैं। आप यहां पर खुद को एक ब्रांड बनाने से लेकर अपने काम को डिस्प्ले करने यहां तक कि अपनी फील्ड के ही एक्सपर्ट व अन्य लोगों से जुड़ने की कोशिश करते हैं। वैसे इसके अतिरिक्त आप सोशल मीडिया की मदद से एक अच्छी जॉब भी ढूंढ सकते हैं। जानिए कैसे–

लिंक्डइन

लिंक्डइन आपकी जॉब सर्च में एक महत्वपूर्ण टूल बनकर सामने आ सकता है, क्योंकि यहां पर आपको रिक्रूटर्स से लेकर कंपनी के हेड मिलेंगे, जो अपनी कंपनी में खास जॉब के लिए कैंडिटेंट की तलाश करते हैं। ऐसे में यहां पर उनसे सीधा संपर्क किया जा सकता है। अगर आप एक अच्छी जॉब सर्च कर रहे हैं तो आपका लिंक्डइन पर अकाउंट जरूर होना चाहिए। साथ ही आप उसे अप–टू–डेट रखें। आपका लिंक्डइन प्रोफाइल ऑनलाइन सीवी लिखने के जैसा ही है। हालांकि यह कोई जॉब सर्चिंग साइट नहीं है, लेकिन अगर आप किसी अच्छी कंपनी में अपना रिज्यूम देंगे तो वह यकीनन लिंक्डइन पर आपका प्रोफाइल देखेंगे। इससे उन्हें आपके स्किल्स का अंदाजा पहले ही हो जाता है। अगर आप वहां पर नहीं हैं तो कंपनी के रिक्रूटर समझते हैं कि या तो आप टेक्निकली आउटडेटेड हैं या फिर आप अपने बारे में कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्विटर

ट्विटर एक ऐसा पब्लिक प्लेटफॉर्म है, जहां पर लोग पोस्ट करते हैं और शॉर्ट मैसेज एक्सचेंज करते हैं। चूंकि यह एक बेहद इनफार्मल मीडियम है, इसलिए इसे अपनी जॉब सर्च के लिए इस्तेमाल करते समय आपको काफी प्रोफेशनल होना होगा। आप ट्विटर पर जॉब के लिए सामने से ट्वीट ना करें, बल्कि अपनी पसंदीदा कंपनियों को ट्विटर पर फॉलो करें। उनके ट्वीट पर रिट्वीट करें या फिर आप अपने ट्वीट्स को ही किसी विशेष कॅरियर में इंटरस्ट दिखाने के लिए कर सकते हैं। साथ ही आपके ट्वीटर प्रोफाइल में आपकी प्रोफेशनल लुकिंग फोटो, एक बेहतरीन बायो जरूर होना चाहिए। आप चाहें तो इसमें अपनी वेबसाइट या लिंक्डइन प्रोफाइल के लिंक को भी एड कर सकते हैं।

जॉब सर्च में सोशल मीडिया के फायदे

- इसकी मदद से आप आसानी और प्रभावपूर्ण तरीके से खुद को सबके सामने पेश कर सकते हैं, जिससे अच्छी जॉब मिलने के चांसेज कई गुना बढ़ जाते हैं।
- आप खुद का नेटवर्क बिल्ड अप कर सकते हैं और कई सोशल चैनल्स से लोगों को जोड़ सकते हैं। ऐसे में रिक्रूटर आपसे आसानी से प्रभावित होते हैं।
- सोशल मीडिया के जरिए आप कंपनी हेड या रिक्रूटर के साथ सीधे जुड़ सकते हैं।

कोरोना : 24 घंटे में 15,492 नए मामले सामने आए, 206 की मौत

रिकवरी रेट 98.28 फीसदी पहुंचा

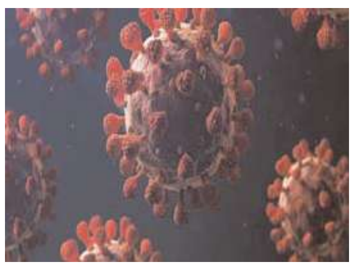

नई दिल्ली

देश में कोरोना के मामलों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। पिछले 24 घंटों में कोरोना के 15,492 नए मामले सामने आए, जबकि 37,775 रिकवर हुए, वहीं, 206 लोगों की मौत हुई। अच्छी बात ये है कि शनिवार के मुकाबले रविवार को कोरोना के नए केसेज में 3081 की कमी देखी गई। वहीं, मौत के मामलों में 467 की कमी आई है। ऐक्टिव केस में भी 22 फीसदी की कमी आई है। इसी के साथ भारत में रिकवरी रेट 98.28 फीसदी हो गया है।

देश में कोरोना की स्थिति

कुल मामले- 42,837,935
कुल रिकवरी- 42,113, 838
कुल एक्टिव केस- 194,089
कुल मौतें- 512,109

गोवा में आज से कक्षा एक से 12वीं तक के स्कूलों को फिर से खोला गया। इस दौरान छात्रों, शिक्षकों और अन्य स्टाफ को कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन करने के लिए कहा जा रहा है।

जम्मू- कश्मीर में आज कक्षा एक से लेकर 8वीं तक के छात्रों के लिए स्कूल खुल गए हैं। छात्रों का कहना है कि स्कूल में आकर बहुत अच्छा लग रहा है, ऑनलाइन कक्षाएं में नेटवर्क खराब होने की वजह से हमारी समस्याएं दूर नहीं हो पाती थी।

केरल में मौत के मामले घटे

केरल में पिछले 24 घंटे में यहां 5427 नए केस मिले, 48 लोगों की मौत हुई, 14,334 लोग कोरोना से ठीक हुए। शनिवार को मौत का आंकड़ा 112 दर्ज किया गया था। वहीं, रविवार को कोरोना से मरने वाले लोगों में 64 की देखी गई। राज्य में अब तक कोरोना के 6,468,990 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। जबकि एक्टिव केस की संख्या 66,018 तक पहुंच गई है। राज्य में अबतक 64,145 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है।

महाराष्ट्र में 42 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना से ठीक हुए:- महाराष्ट्र में कोरोना से बीते 24 घंटे में कोरोना के 1437 मामले दर्ज किए गए। राज्य में शनिवार के मुकाबले मौत के मामले में कमी आई। रविवार को मौत से केवल 6 लोगों की मौत हुई। इसी के साथ महाराष्ट्र में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 143,582 पहुंच गया है। राज्य में एक्टिव केस 194,089 दर्ज किया गया है। पिछले 24 घंटे में कोरोना से 37,775 लोग रिकवर हुए, जिसके बाद यहां कोरोना से ठीक होने वाले लोगों की कुल संख्या 42 करोड़ से ज्यादा हो गई है।

MP में एक्टिव केस में भी गिरावट

मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 950 नए मामले सामने आने के बाद राज्य में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या 1,034,440 हो गई। रविवार को कोरोना से केवल 2 लोगों की मौत हुई, जिसके बाद यहां मौत का कुल आंकड़ा 10,715 पहुंच गया। राज्य में एक्टिव केस की संख्या 837 की गिरावट दर्ज की गई जिसके बाद ये आंकड़ा 7527 हो गई।

दिल्ली में कोरोना के मामले घटने लगे:- दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के लगातार मामले घट रहे हैं। यहां 24 घंटे में कोविड के 570 नए मामले दर्ज़ किए गए। इस दौरान 730 लोग डिस्चार्ज हुए और 4 लोगों की मृत्यु हुई। इसी के साथ दिल्ली में कुल एक्टिव 2545 तक पहुंच गई। यहां कुल पॉजिटिविटी रेट 1.04 फीसदी आंकी गई है। गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित हुए मामलों में 109 केसेज की कमी देखी गई। रविवार को कोरोना के 377 नए केस सामने आए। वहीं, 9 लोगों की मौत हुई, जो पिछले दिन के मुकाबले 4 कम है। राज्य में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 10,896 तक पहुंच गया है। यहां 24 घंटे में 1148 लोग कोरोना से ठीक हुए, जिसके बाद यह आंकड़ा 1,204,656 पहुंचा।

कर्नाटक में बवाल : राज्य के मंत्री का आरोप-

मुस्लिम गुंडों ने बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या की; शिवमोगा में उपद्रव, स्कूल-कॉलेज बंद

कर्नाटक

कर्नाटक के शिवमोगा जिले में रविवार रात करीब 9 बजे बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की चाकू मारकर पर हत्या कर दी गई। मारे गए युवक की पहचान 26 साल के हर्षा के तौर पर हुई है। वारदात के बाद के बाद शिवमोगा में तनाव बढ़ गया है। शहर के सीगेहट्टी इलाके में उपद्रवियों ने कई वाहनों में आग लगा दी। बढ़ते हंगामे के मद्देनजर शहर में धारा 144 लागू कर दी गई है। शिवमोगा में दो दिन के लिए स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

कर्नाटक के रूरल डेवलपमेंट और पंचायत राज मंत्री केएस ईश्वरप्पा ने हर्षा की हत्या के मामले में चौंकानेवाला बयान दिया है। उन्होंने कहा- %मैं बजरंग दल कार्यकर्ता की मौत से बेहद दुखी हूं। हर्षा की हत्या मुस्लिम गुंडों ने की है। मैं अभी हालात का जायजा लेने के लिए शिवमांगा जा रहा हूं। हम गुंडागर्दी की इजाजत नहीं देंगे।%

स्कूल-कॉलेज दो दिन के लिए बंद

इधर, राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र मारे गए बजरंग दल कार्यकर्ता के परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा, %4-5 युवकों के समूह ने एक 26 साल के युवक की हत्या कर दी। इस हत्या के पीछे किस संगठन का हाथ है, यह अभी नहीं कहा जा सकता। फिलहाल शिवमोगा में कानून-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में रखने के लिए एहतियात के तौर पर स्कूल-कॉलेज दो दिन के लिए बंद किए जा रहे हैं।

मृतक ने फेसबुक पर हिजाब के खिलाफ पोस्ट की थी

शुरुआती जांच में पुलिस इसे हिजाब विवाद से जोड़कर देख रही है, क्योंकि हर्षा ने अपने फेसबुक प्रोफाइल पर हिजाब के खिलाफ और भगवा शाल के समर्थन में पोस्ट लिखी थी। दरअसल, कर्नाटक के उडुपी में हिजाब विवाद सामने आने के बाद से ही बजरंग दल काफी सक्रिय है। इसीलिए हर्षा की हत्या में साजिश के एंगल का शक गहरा गया है। हालांकि, पुलिस इस पर कुछ भी बोलने से बच रही है।

तनाव के मद्देनजर सुरक्षा कड़ी की गई

कर्नाटक में चल रहे हिजाब विवाद को लेकर माहौल पहले से तनावपूर्ण है। ऐसे में बजरंग दल की एक कार्यकर्ता की हत्या के बाद हालात और बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस अलर्ट है और पूरे राज्य सुरक्षा व्यवस्था चौकस कर दी गई है।

हिंदू संगठनों ने हिजाब का विरोध किया

बजरंग दल समेत कई हिंदू संगठन स्कूलों में हिजाब की एंट्री का विरोध कर रहे हैं। इससे पहले कर्नाटक के कोपा में एक सरकारी स्कूल में छात्रों ने भगवा पहनकर हिजाब का विरोध किया था। आरोप था कि स्कूल ने छात्रों को भगवा पहनकर आने की मंजूरी दी थी और मुस्लिम छात्राओं से कहा था कि वे हिजाब पहनकर न आएं।

कांग्रेस नेता ने वीडियो जारी कर कहा- काट देंगे

कर्नाटक हिजाब मामले में कर्नाटक के कांग्रेस नेता का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वो हिजाब का विरोध करने वालों को धमकी देते हुए नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में मुकर्रम खान यह कहते हुए दिखाई दिए हैं कि हिजाब का विरोध करने वालों को टुकड़ों में काट दिया जाएगा।

खान ने कथित तौर पर कहा था कि हमारी जाति को चोट मत पहुंचाओ, सभी जातियां समान हैं। आप कुछ भी पहन सकते हैं, आपको कौन रोकेगा? पुलिस ने कांग्रेस नेता के खिलाफ खिलाफ IPC की धारा 153 , 298 और 295 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

नेपाल में अमेरिकी सहायता के खिलाफ हिंसक बवाल, चीन के दबाव में गिरेगी देउबा सरकार ?

काठमांडू

नेपाल में 50 करोड़ डॉलर की अमेरिकी सहायता मिलेनियम कॉर्पोरेशन चैलेंज को लेकर घमासान मचा हुआ है। पुष्प कमल दहल प्रचंड के सरकार गिराने की धमकी के बाद भी प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की सरकार ने संसद में एससीसी समझौते को पेश कर दिया। देउबा सरकार ने चीन के दबाव के आगे न झुकते हुए कहा कि नेपाल हमेशा एक स्वतंत्र, संतुलित और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति का अनुसरण करता रहा है। नेपाल की संप्रभु संसद यह तय करेगी कि देश के लिए किस तरह की विकास सहायता की आवश्यकता है।

एससीसी के संसद में पेश होने के बाद देशभर में हिंसक प्रदर्शन हुए हैं। नेपाल की देउबा सरकार ने एमसीसी को ऐसे समय पेश किया है जब सत?तारूढ़ गठबंधन में शामिल दो दल इसका विरोध कर रहे हैं। सबसे ज?यादा विरोध प्रचंड की पार्टी सीपीएन यूएमएल कर रही है। सीपीएन यूएमएल नेपाल की संसद के बाहर जोरदार प्रदर्शन भी किया है। यही नहीं प्रचंड की पार्टी जहां सरकार में हिस?सेदार बनी हुई है, वहीं उसकी छात्र शाखा ने सड़कों पर हिंसक प्रदर्शन किया है।

दरअसल, प्रचंड की सरकार गिराने की धमकी के बाद पीएम देउबा ने पूर्व केपी शर्मा ओली से मुलाकात की थी।

नेपाल में अब दोहरा खेल खेल रहे हैं प्रचंड:- देउबा की पार्टी की ओर से संकेत दिए गए कि प्रचंड के समर्थन नहीं देने पर वे ओली के साथ जा सकते हैं। इसके बाद प्रचंड की पार्टी के सुर बदल गए और उसने संसद के निचले सदन में एमसीसी को पेश करने की अनुमति दे दी। उधर, प्रचंड ने दोहरा खेल खेलते हुए अपनी छात्र शाखा के जरिए हिंसक प्रदर्शन शुरू करा दिया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में अब सेना की आलोचना करना पड़ेगा भारी, हो सकती है 5 साल तक की जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अब सरकारी संस्थाओं के खिलाफ उठने वाली आवाजों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में पाकिस्तान की कैबिनेट ने शनिवार को एक प्रस्ताव पारित किया। इसके तहत अब टीवी चैनलों पर सरकारी संस्थानों की आलोचना करने पर पांच साल तक की सजा हो सकती है। इसमें सेना और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं शामिल हैं। खबरों के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने एक अध्यादेश के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक क्राइम्स प्रिवेंशन एक्ट में संशोधन किया है। रविवार को पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए जिसके बाद अब यह कानून बन चुका है। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से कहा कि कैबिनेट ने चुनाव आयोग की आचार संहिता के नियमों में भी बदलावों को मंजूरी दी। नए कानून के मुताबिक अब सांसदों और मंत्रियों को अपने पसंदीदा उम्मीदवार के लिए देशभर में चुनाव प्रचार करने की अनुमति होगी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद पाक राष्ट्रपति ने दोनों कानूनों पर हस्ताक्षर कर दिए। इन कानूनों के अस्तित्व में आने के बाद पाकिस्तान में सरकारी संस्थाओं की आलोचना करने पर पांच साल तक की सजा हो सकती है जो पहले तीन साल थी। इस कानून के तहत आने वाले मामलों की निगरानी हाई कोर्ट करेगा और निचली अदालतों को छह महीने के भीतर मामले को समाप्त करना होगा। पाकिस्तान के विपक्षी दलों ने इस अध्यादेशों का विरोध किया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के नेता इरफान सिद्दीकी ने कहा कि सरकार आलोचनाओं को दबाने के साथ अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री और मंत्री चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे और उनकी शक्तियों से चुनावों पर असर पड़ेगा।

यमन में हूती आतंकियों को बड़ा झटका, सेना के साथ भीषण झड़प में 156 लड़ाके ढेर

सना

यमन के पूर्वोत्तर प्रांत हजा में सेना के साथ हुई झड़प में गत दो दिनों के दौरान कम से कम 156 हाउती आतंकवादी मारे गये। सैन्य सूत्रों के अनुसार, सऊदी अरब की सीमा से लगे हराद शहर और उसके पास के अब्स जिले में सेना और आंतकवादियों के बीच झड़प हुई। सूत्रों ने चीन की संवाद समिति शिन्हुआ को बताया कि हरद में शुक्रवार को कम से कम 106 आतंकवादी मारे गये। गठबंधन सेना के हमलों में हाउती आतंकवादियों के कई वाहन भी ध्वस्त हो गये। हाउती आतंकवादियों ने सेना को हरद शहर के बाहर कुछ दिनों पहले ही खदेड़ दिया था। उस वक्त 60 से अधिक सेना मारे गये थे और 140 अन्य घायल हो गये थे। अब्द जिले में सऊदी अरब की अगुवाई वाली गठबंधन सेना के युद्धक विमानों के सहयोग से यमन की सेना ने 17 फरवरी को हाउती आतंकवादियों को पीछे ढ़केल दिया था। आतंकवादी यमन सेना के अड्डों की ओर बढ़ रहे थे। इस घटना में 50 आतंकवादी मारे गये थे और कई अन्य घायल हो गये थे। सेना ने साथ ही 10 बमवर्षक ड्रोन को भी उड़ाया था। गौरतलब है कि यमन में 2014 से ही गृह युद्ध की स्थिति बनी हुई है। ईरान के समर्थन से हाउती आतंकवादी ने कई पूर्वोत्तर प्रांतों पर कब्जा कर लिया है और सऊदी अरब से समर्थन प्राप्त यमन के राष्ट्रपति अब्द रब्बू मंसूर हादी को राजधानी सना से बाहर कर दिया है।

फ्रांस में 2 साल बाद नीस कार्निवल की रोनक फिर लौट आई है। इसमें रोज 12 हजार लोग जुट रहे हैं। कोरोना के पहले इसमें करीब 20 हजार लोग जुटते थे। ये उत्सव सर्दियों की उदासी दूर कर लोगों में उत्साह भरता है। यह 27 फरवरी तक चलेगा। इसमें 1000 से ज्यादा कलाकार दिन और रात में रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ परेड निकालते हैं। इस बार लोग कोरोना की मायूसी भुलाकर नई शुरुआत कर रहे हैं।

बाइडेन पुतिन से सशर्त मिलने को तैयार:कहा- यूक्रेन पर हमला न करे रूस; यूएस का अलर्ट-

मॉस्को से निकलने को तैयार रहें अमेरिकी, अटैक का खतरा

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन यूक्रेन संकट को टालने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने को तैयार हो गए हैं। हालांकि, मुलाकात से पहले बाइडेन पुतिन से यूक्रेन पर हमला न करने का वादा चाहते हैं। अगर सब कुछ सही रहता है तो इस हफ्ते के आखिर में दोनों मिल सकते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया, इस मीटिंग का वक्त और मुद्दे अभी तय नहीं हैं। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने इस तरह की संभावना को पूरी तरह से खारिज कर दिया। यूक्रेन के साथ जारी तनाव के बीच रूस के लिए परेशान करने वाली खबर सामने आई है। रूस स्थित अमेरिकन एम्बेसी ने मॉस्को, सेंट पीटर्सबर्ग समेत कई शहरों पर हमले की चेतावनी जारी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूक्रेन के साथ जारी तनाव के बीच रूस के कई शहरों में शॉपिंग सेंटर, रेलवे और मेट्रो स्टेशनों और पब्लिक प्लेस पर हमला हो सकता है। अमेरिकी एम्बेसी के प्रवक्ता जेसन रेभोल्ज ने सोशल मीडिया पर प्रेस रिलीज जारी करते हुए लिखा, रूस के लिए अमेरिकी मिशन की ओर से इंपॉर्टेंट सिक्योरिटी अलर्ट। अमेरिकन एम्बेसी ने अलर्ट में कहा- भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, अपनी सिक्योरिटी के बारे में दोस्तों और परिवार से जानकारी साझा करें। टूरिस्ट प्लेसेस पर सतर्क रहें और रूस से बाहर निकलने का प्लान तैयार रखें। इसके साथ ही एम्बेसी ने अमेरिकी नागरिकों से असली पहचान पत्र साथ रखने की अपील की है, जिसमें रूसी वीजा और अमेरिकन पासपोर्ट शामिल है। जो बाइडेन ने रविवार को फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से रूस के मिलिट्री डेवलपमेंट को रोकने के लिए की जा रही डिप्लोमैटिक कोशिश पर चर्चा की। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में कहा गया, राष्ट्रपति बाइडेन ने आज फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने रूस के सैन्य निर्माण के जवाब में की जा रही डिप्लोमैटिक कोशिशों पर बात की, साथ ही यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने के लिए अपना समर्थन जताया।

सहमति से बने संबंधों को रेप की श्रेणी में नहीं रखा जा सकताः अदालत

नई दिल्ली

अदालत ने चार्ज के स्टेज पर ही युवक को रेप के आरोपों से बरी कर दिया। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज ने अपने फैसले में कहा कि आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों को रेप की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। 20 साल की युवती परिवार के साथ न्यू उस्मानपुर में रहती है। युवती के पिता अंडों की रेहड़ी लगाते है तो मां फैक्ट्री में जॉब करती है।

आरोपी युवक मकसूद भी उसी मकान में दूसरी मंजिल पर रहता है। कोर्ट में बताया गया कि 10 अक्टूबर 2020 को युवती छत पर सोई हुई थी। रात के समय वह टॉयलेट जाने के लिए उठी तो मकसूद उसे पकड़कर अपने कमरे में ले गया। जहां उसने युवती के साथ रेप किया। युवक ने युवती को भरोसा दिलाया कि कोरोना खत्म होने के बाद वह उससे शादी कर लेगा। इसके बाद खुशी से एक साथ रहेंगे। काफी समय तक ऐसे ही चलता रहा। कुछ समय बाद जब कोरोना के मामले कम हुए और धीरे-धीरे एक जगह से दूसरी जगह आना-जाना भी शुरू हो गया, युवती खजूरी खास इलाके में रहने वाली अपनी बहन के पास चली गई, जबकि मकसूद बिहार स्थित अपने गांव चला गया। इस दौरान दोनों एक दूसरे से लगातार मोबाइल पर बातें करते थे। युवती ने मकसूद को फोन करके बताया कि वह दो महीने की गर्भवती हो गई है। कुछ समय बाद वह बिहार से वापस दिल्ली लौट आया। मकसूद ने युवती से शादी करने से साफ मना कर दिया। इसके बाद युवती ने खुद ही गोलियां खाकर अपना गर्भपात कर लिया। युवती ने परिवारवालों को पूरी घटना के बारे में बताया। युवती के परिवार वाले युवती को न्यू उस्मानपुर थाने लेकर गए। पुलिस ने युवती के बयान पर रेप की धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को अरेस्ट कर लिया।

पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज ने रेप का आरोप तय करने के लिए मामले की सुनवाई शुरू की। सरकारी वकील ने अदालत में अपनी तरफ से तमाम दलीलें पेश की। वहीं, बचाव पक्ष के वकील ने भी अपना पक्ष रखा। बचाव पक्ष का कहना था कि दोनों एक-दूसरे से पिछले दो साल से प्यार करते हैं। इस दौरान उनके बीच जब भी संबंध बने, आपसी सहमति से ही बने। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने युवक को रेप के आरोपों से यह कहते हुए बरी कर दिया कि आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंध रेप की श्रेणी में नहीं आते।

न्यूज ब्रीफ

डेब्यू मैच के बाद बोले आवेश खान- जितना हो सके उतना अच्छा करने की कोशिश करूंगा

कोलकाता। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में में पदार्पण करने के बाद भारत के तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा है कि वह जब भी देश के लिए खेलेंगे तो अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। अवेश ने रविवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण किया था। हालांकि डेब्यू मैच में वह अपना प्रभाव नहीं छोड़ पाए और 4 ओवर में 42 रन देने के बाद भी वह एक भी विकेट अपने नाम नहीं कर सके। मैच के बाच एक वीडियो में अवेश खान ने कहा कि मैं वास्तव में अच्छा महसूस कर रहा था। हर खिलाड़ी देश के लिए खेलने का सपना देखता है और यह मेरे लिए सच हो गया। मैंने मैच का आनंद लिया, हमने खेल जीता, इसलिए कुल मिलाकर यह एक अच्छा एहसास था। मैं जितना हो सके देश के लिए उतना अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। यह मेरा डेब्यू था, मैं स्पष्ट रूप से थोड़ा नर्वस था। रोहित भाई ने मेरा समर्थन किया, राहुल सर ने मुझे खेल का आनंद लेने के लिए कहा। हमने वेस्टइंडीज को एकदिवसीय और टी20 इंटरनेशनल दोनों श्रृंखलाओं में हराया, इसलिए यह एक शानदार एहसास है। उन्होंने कहा, मैं प्रबंधन द्वारा मुझे सौंपी गई भूमिका को निभाने की कोशिश कर रहा हूं। मैं पारी को खत्म करने की कोशिश कर रहा हूं। यह हर कप्तान के लिए एक संपत्ति है अगर वह किसी से दो ओवर निकाल सकता है। तीसरे टी20 मैच में 17 रन की जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की टी20 श्रृंखला 3-0 से जीत ली। इससे पहले मेन इन ब्लू ने वनडे सीरीज में भी वेस्टइंडीज को 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। भारत गुरुवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज में श्रीलंका के खिलाफ अगली भिड़ंत करेगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट नहीं खेल पाएंगे ट्रेंट बोल्ट

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने सोमवार को पुष्टि की कि तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। बोल्ट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के लिए टीम में नहीं थे क्योंकि उनकी पत्नी अपने तीसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। स्टीड के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह उपलब्ध होने की स्थिति में नहीं है। उसकी पत्नी को बच्चा होने वाला है, इसलिए वह क्रिकेट खेलने और गेंदबाजी करने के कई अवसरों से चूक गया है। हमें लगा कि उसके खेलने का जोखिम बहुत दूर था। इस समय बहुत अच्छा है। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। स्टीड ने आगे कहा कि हमने एक (फ्रंटलाइन) स्पिन विकल्प पर विचार किया, लेकिन ऐसा महसूस नहीं हुआ कि हमें इस पिच पर उसकी आवश्यकता थी। न्यूजीलैंड ने दो मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट पारी और 276 रन से जीता था। दूसरा टेस्ट 25 फरवरी से शुरू होगा।

चाहर की चोट से भारत और सीएसके परेशान : चोटिल दीपक श्रीलंका सीरीज से बाहर हो सकते हैं, 14 करोड़ में खरीदने वाली चेन्नई भी चिंतित

नई दिल्ली

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज दीपक चाहर वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के दौरान चोटिल हो गए। इससे भारतीय टीम की टेंशन तो बढ़ी ही है। चेन्नई सुपर किंग्स भी कम परेशान नहीं है। 12 और 13 फरवरी को हुए मेगा ऑक्शन में दीपक को फ्रेंचाइजी ने 14 करोड़ रुपए देकर खरीदा था। तीसरे टी-20 मैच में चाहर ने सिर्फ 11 गेंद फेकीं और वेस्टइंडीज के दोनों सलामी बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। चाहर दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर काफी परेशान दिखे और दर्द के कारण वह मैदान पर ही बैठ गए थे। उनका दर्द इतना बढ़ गया था कि दीपक ने अपना ओवर भी पूरा नहीं किया और वापस ड्रेसिंग रूम चले गए। अगर इस खिलाड़ी की चोट में सूजन, नीलापन या दर्द होता है तो ये परेशानी की बात है।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से हो सकते हैं बाहर

श्रीलंका के खिलाफ 24 फरवरी से लखनऊ में 3 मैचों की टी-20 सीरीज शुरू होने वाली है। चोट के कारण वह सीरीज से बाहर हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आईपीएल की शुरुआत 27 मार्च से होने वाली है। जिस तरह की चोट उन्हें लगी है। उसे ठीक होने में 6 हफ्ते लग सकते हैं। ऐसे में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी काफी परेशानी होने वाली है। चाहर गेंदबाजी के साथ-साथ अच्छी बल्लेबाजी भी कर लेते हैं।

पिछले कई सीजन से वो चेन्नई के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करते आए हैं। ऐसे में धोनी की टीम किसी भी हाल में अपने खिलाड़ी को खोना नहीं चाहेगी।

6 साल बाद ञ्ज-20 में नंबर 1 हुई टीम इंडिया:- वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा टी-20 मैच जीतने के बाद टीम इंडिया 6 साल के लंबे इंतजार के बाद आईसीसी टी-20 रैंकिंग में पहले पायदान पर पहुंची है। इससे पहले टीम 3 मई 2016 को टी-20 रैंकिंग में नंबर 1 बनी थी। उस समय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। धोनी के बाद रोहित ने टीम को पहले स्थान पर पहुंचाया। एमएस धोनी के बाद विराट कोहली को टीम का कप्तान बनाया गया था, लेकिन वह अपनी लीडरशिप में टीम को नंबर-1 नहीं बना सके।

कोच द्रविड़ का ऋद्धिमान साहा को जवाब : बोले-

उनकी बातों से मैं बिल्कुल भी दुखी नहीं टीम इंडिया को युवा विकेटकीपर की जरूरत

नई दिल्ली

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज को लेकर भारतीय क्रिकेट मैनेजमेंट ने कई कड़े फैसले लिए हैं। टीम से 4 सीनियर खिलाड़ियों की छुट्टी कर दी गई है। ईशांत शर्मा, विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे। ये चारों अनुभवी खिलाड़ी सीरीज में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। रविवार को टीम से बाहर किए जाने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज साहा ने टीम इंडिया के कोच पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि कोच राहुल द्रविड़ ने उन्हें संन्यास लेने को कहा था। अब कोच द्रविड़ ने साहा के आरोपों का जवाब दिया है।

मेरे मन में ऋद्धिमान की उपलब्धियों और भारतीय क्रिकेट के लिए उनके योगदान को लेकर बहुत सम्मान है।

कोच द्रविड़

साहा के प्रति मेरे दिल में बहुत सम्मान:- वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 के बाद द्रविड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, %जो साहा ने कहा उससे मैं बिल्कुल भी दुखी नहीं हूं। मेरे मन में ऋद्धिमान और उनकी उपलब्धियों और भारतीय क्रिकेट के लिए उनके योगदान को लेकर बहुत सम्मान है। मेरी उनके साथ की गई बातचीत एकदम साफ थी। मैं नहीं चाहता था कि यह बात उनको मीडिया से सुनने को मिले।% इस साल हम बस तीन टेस्ट मैच खेलने वाले हैं। ऋषभ पंत ने अपने आप को टीम में अच्छे से स्थापित कर लिया है। अब एक और युवा विकेटकीपर को तैयार करने की जरूरत है। इसकी वजह यह नहीं है कि साहा के योगदान और उनके प्रति मेरे अंदर का सम्मान बदल गया है।

टीम में खिलाड़ियों को नहीं चुना जाता तो वो उदास होते हैं:- साहा के आरोपों पर द्रविड़ ने कहा, अभी भी जब हम प्लेइंग इलेवन का चयन करते हैं तो उन सभी खिलाड़ियों से बात करते हैं जिनको नहीं चुना जाता। वह उदास होते हैं। यह आम बात है। मुझे बस ऐसा लगता है कि मेरी इस टीम में हर एक चीज साफ होनी चाहिए। द्रविड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साहा को लेकर आगे कहा, इस तरह की बातचीत मैं अपने खिलाड़ियों के साथ करता रहता हूं। मैं इसको लेकर बिल्कुल भी दुखी नहीं हूं, क्योंकि मैं इस बात की उम्मीद नहीं करता कि वो मेरी हर बात को पसंद करें या उससे सहमत हों।

साहा की जगह केएस भरत

ऋद्धिमान साहा साउथ अफ्रीका सीरीज से प्लेइंग-ञ्जञ्ज से बाहर चल रहे हैं। साउथ अफ्रीका में खेले गए 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। साहा की जगह ऋषभ पंत टीम में कीपिंग की जिम्मेदारी संभालते रहे। अब श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में साहा की जगह युवा केएस भरत को टीम का हिस्सा बनाया गया है। भरत लंबे समय से घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और बैटिंग ऑर्डर में भी किसी भी स्थान पर खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ साहा आखिरी बार टीम इंडिया के लिए खेले थे।

साहा का आरोप क्या था?

टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ने टीम से निकाले जाने के बाद कहा था, रणजी ट्रॉफी में मैं इसलिए इस साल हिस्सा नहीं ले रहा हूं क्योंकि मुझसे कहा गया है कि टीम इंडिया के लिए अब मेरे नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही कोच द्रविड़ ने मुझे संन्यास लेने की सलाह दी है।

ऋद्धिमान को पत्रकार की धमकी पर बीसीसीआई सख्त

» बोर्ड मामले की जांच करेगा, शास्त्री ने कहा था- तुरंत एक्शन लिया जाए

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा को एक पत्रकार द्वारा धमकाए जाने के मामले की जांच करेगा। दरअसल साहा ने सोशल मीडिया पर एक पत्रकार से वॉट्सऐप पर की गई बातचीत का स्क्रीनशॉट शेयर कर आरोप लगाया था कि पत्रकार ने उन्हें इंटरव्यू देने के लिए दबाव डाला था। वहीं, टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भी इस मामले में तुरंत जांच करने की मांग की है। साहा की ओर से जारी स्क्रीन शॉट में लिखा था, %आप मेरे साथ एक इंटरव्यू कीजिए। यह अच्छा होगा। अगर आप डेमोक्रेटिक तरह से इंटरव्यू देना चाहते हैं तो मैं आपको फोर्स नहीं करूंगा। टीम मैनेजमेंट ने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में एक विकेटकीपर को चुना है जो मेरे हिसाब से बेहतर है। आपने भी 11 जर्नलिस्ट चुने जो मेरे हिसाब से बेस्ट नहीं थे। उन्हें चुनिए जो सबसे ज्यादा मदद कर सकते हैं। इसके बाद अगले दिन पत्रकार ने उन्हें वॉट्सएप पर ही

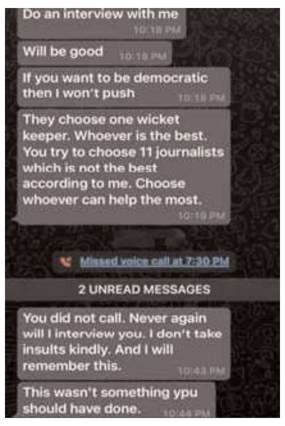

कॉल किया। जब साहा ने कॉल रिसीव नहीं किया तो पत्रकार ने देर रात मैसेज करते हुए लिखा, %आपने कॉल नहीं किया। मैं अब कभी आपका इंटरव्यू नहीं करूंगा। मैं इस तरह का अपमान नहीं सह सकता और मैं इसे याद रखूंगा। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था।

बीसीसीआई सख्त

टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बातचीत में बताया है कि साहा अभी भी बीसीसीआई के कॉन्ट्रैक्ट प्लेयर हैं। ऐसे में उनके आरोपों को बीसीसीआई ने गंभीरता से लेते हुए जांच कराने का फैसला किया है। यह भी जांच होगी कि क्या अन्य प्लेयर के साथ भी ऐसी घटना हुई है।

अलकारेज ने श्वार्टजमैन को हराकर जीता रियो ओपन

रियो डी जेनेरियो

स्पेन के किशोर खिलाड़ी कार्लोस अलकारेज ने अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्टजमैन को 6-4, 6-2 से हराकर रियो ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के रविवार को खेले गए फाइनल में 18 वर्षीय अलकारेज ने तीसरी वरीयता प्राप्त श्वार्टजमैन को एक घंटा 26 मिनट में शिकस्त दी। सातवीं वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी ने दो

साल पहले रियो डी जेनेरियो में ही अपना पहला पेशेवर मैच जीता था जबकि पिछले साल उन्होंने क्रोएशिया के उमाग में अपनी पहली खिताबी जीत हासिल की थी। अलकारेज ने खिताब अपनी राह में शीर्ष वरीयता प्राप्त माटियो बेरेटिनी को क्वार्टर फाइनल में और फिर इटली के एक अन्य खिलाड़ी फैबियो फोगनिनी को सेमीफाइनल में हराया था।

प्रो कबड्डी लीग : पटना पायरेट्स ने हरियाणा स्टीलर्स को हराकर लीग से किया बाहर

बेंगलुरू

प्रो कबड्डी लीग मैच में शनिवार रात को पटना पायरेट्स ने हरियाणा स्टीलर्स को 30-27 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हरियाणा स्टीलर्स के बाहर होने से पुणेरी पलटन ने छठी टीम के रूप में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। अंक तालिका में पटना पायरेट्स 22 मैचों में 16 जीत और 86 अंकों के साथ पहले स्थान है। पहले हाफ के बाद पटना पायरेट्स 17-14 से आगे थी। पटना ने शुरुआती मिनटों में ही हरियाणा स्टीलर्स को ऑल आउट कर बढ़त ले ली थी, लेकिन हरियाणा ने वापसी करते हुए पटना को भी ऑल आउट कर पहले हाफ में सिर्फ 3 अंकों से पीछे रही। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों के बीच शुरुआती 10 मिनट में काफी रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। पहले स्ट्रैटेजिक टाइम आऊट के समय 30

मिनट के बाद पटना पायरेट्स की टीम मैच में 23-21 से आगे थी। हालांकि अगले पांच मिनट में पटना ने बढ़त को 5 अंकों का कर दिया, लेकिन दूसरे स्ट्रैटेजिक टाइम आऊट के बाद हरियाणा ने लगातार 5 पॉइंट लेकर मैच को बराबरी पर ला दिया। हालांकि आखिरी मिनट में पटना पायरेट्स ने 3 पॉइंट लेकर मैच पर कब्जा किया और हरियाणा की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पटना पायरेट्स की तरफ से मोहम्मदरजा शादलु ने फिर से हाई 5 लगाते हुए 5 टैकल पॉइंट लिए, वहीं सचिन ने रेडिंग में सबसे ज्यादा 8 पॉइंट लिए। हरियाणा स्टीलर्स की तरफ से डिफेंस में जयदीप ने हाई 5 लगाते हुए 5 पॉइंट लिए, वहीं रेडिंग में आशीष ने सबसे ज्यादा 8 पॉइंट लिए। कप्तान विकास कंडोला (4 पॉइंट) के फ्लॉप होने से टीम को बहुत बड़ा नुकसान हुआ।

SUPER
HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

बैंकों ने जमा दरों में वृद्धि का चक्र किया सक्रिय

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक और एचडीएफसी सहित देश में वाणिज्यिक बैंकों ने अपने जमा दरों को संशोधित करते हुए इसमें 5-15 आधार अंकों का इजाफा किया है। इससे संकेत मिलता है कि ऋण की मांग बढने से ब्याज दर चक्र फिर से सक्रिय हो गया है। 10 फरवरी को भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति जारी होने के बाद से चार बैंकों ने जमा दरों में इजाफा किया है। इनमें एसबीआई और एचडीएफसी के अलावा यूको बैंक और सेंट्रल बैंक शामिल हैं। एक ओर जहां बैंकों ने जमा दरों में इजाफा किया है वहीं निकट भविष्य में उधारी दरों में किसी तरह के बदलाव की उम्मीद नहीं है। बैंकरों का कहना है कि यह मौद्रिक नीति के रुख पर निर्भर करता है। देश के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई ने विभिन्न अवधियों में अपनी सावधि जमा दरों में 10 से 15 आधार अंकों का इजाफा किया है जो 15 फरवरी से प्रभावी है।

संशोधित दरों के मुताबिक 2 करोड़ रुपये से कम के टर्म जमा पर 5.2 फीसदी का ब्याज दिया जाएगा जो पहले 2-3 साल की अवधि के लिए 5.1 फीसदी था। 3-5 साल की अवधि में इसी रकम पर 5.45 फीसदी का ब्याज मिलेगा जो पहले 5.3 फीसदी था। इसके अलावा, 5 से 10 साल की अवधि में 2 करोड़ रुपये के टर्म जमा पर ब्याज में 10 आधार अंकों का इजाफा किया गया है। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने भी अपने सावधि जमा दरों को संशोधित कर इसमें इजाफा किया है जो 14 फरवरी से प्रभावी हो गया है। बैंक ने एक वर्ष की अवधि के 2 करोड़ रुपये से कम के सावधि जमाओं पर ब्याज में 10 आधार अंकों का इजाफा करते हुए इसे 4.9 से बढ़कार 5 फीसदी कर दिया है। साथ ही, 3 से 5 वर्ष की अवधि में ब्याज दर को 5 आधार अंक बढ़ाकर 5.45 फीसदी किया गया है। हालांकि, अन्य अवधियों के दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। रिजर्व बैंक ने उदार रुख को बनाए रखते हुए सुपर डोविश नीति दिया जिसके बाद बॉन्ड प्रतिफल में नरमी आई। इसके बावजूद इन ऋणदाताओं ने ब्याज दरों में इजाफा किया।

अप्रैल-नवंबर में निर्यात में पीछे छूटे सेज

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के पहले 8 महीनों के दौरान विशेष आर्थिक क्षेत्रों (सेज) से निर्यात की वृद्धि कुल मिलाकर देश से हुए निर्यात की वृद्धि की तुलना में सुस्त रही है। सरकार के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने अप्रैल-नवंबर के दौरान 418.56 अरब डॉलर के वस्तु एवं सेवाओं का निर्यात किया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 36 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं इस दौरान सेज से निर्यात 31 प्रतिशत बढ़कर 87.95 अरब डॉलर हुआ है। यह कम से कम पिछले 6 साल से चल रहे ट्रेंड के विपरीत है। इस दौरान सेज से निर्यात की हिस्सेदारी भारत के कुल निर्यात में पांचवां हिस्सा रही है। वित्त वर्ष की शुरुआत से विदेश भेजे वाले शिपमेंट के आंकड़ों से पता चलता है कि महामारी की पहली लहर का असर खत्म हो गया है और अर्थव्यवस्थाएं खुलने की वजह से विदेशी बाजार में मांग बढ़ी है, इसकी एक वजह दबी हुई मांग भी है। अगर इस साल के सेज निर्यात का विस्तृत ब्योरा देखें तो सॉफ्टवेयर और सेवा के निर्यात की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 64 प्रतिशत रही है और उसके बाद वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात का स्थान है, जिसमें विनिर्माण शामिल है।

सुपर ऐप से मुकाबले को तकनीक पर खर्च बढ़ा रहे बैंक

नई दिल्ली

भारत में सुपर ऐप क्षेत्र में खासी हलचल देखी जा रही है और टाटा, रिलायंस तथा अदाणी जैसे दिग्गज कारोबारी समूह सुपर ऐप लाने की तैयारी में हैं। ऐसे में भारत के बैंक भी इन फर्मों से मिल रही चुनौती के लिए खुद को तैयार करने के वास्ते तकनीक पर अपना खर्च बढ़ा रहे हैं। सुपर ऐप ऐसा ऐप्लिकेशन है जो उपयोगकर्ताओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर कई तरह की सेवाओं का उपयोग करने की सहूलियत देता है। देश में निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता आईसीआईसीआई बैंक का अक्टूबर-दिसंबर के दौरान गैर-कर्मचारी खर्च साल भर पहले की तिमाही के मुकाबले 20 फीसदी बढ़कर 4,590 करोड़ रुपये रहा। इनमें से ज्यादातर खुदरा कारोबार और तकनीकी संबंधित खर्च शामिल हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाही में बैंक के कुल परिचालन खर्च में तकनीकी उन्नयन पर खर्च 8.4 फीसदी रहा। अशिका स्टॉक ब्रोकिंग में संस्थागत इक्विटी शोध प्रमुख अशुतोष मिश्रा ने कहा, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बैंकों के नतीजों से एक रूझान स्पष्ट तौर पर सामने आया कि लगभग सभी बैंक सुपर ऐप से मिलने वाली चुनौतियों को भांप कर प्रौद्योगिकी पर अपना खर्च बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, बैंकों, खास तौर पर निजी क्षेत्र के बैंकों में तकनीकी पर खर्च काफी बढ़ रहा है। एक अन्य निजी ऋणदाता ऐक्सिस बैंक का खर्च दिसंबर तिमाही के दौरान सालाना आधार पर 30 फीसदी बढ़कर 4,392 करोड़ रुपये रहा। ऐक्सिस बैंक ने कहा कि कुल खर्च में तकनीक पर खर्च का हिस्सा 7.8 से 8 फीसदी होगा। ऐक्सिस बैंक में कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं सूचना प्रौद्योगिकी प्रमुख अविनाश राघवेंद्र ने कहा, %बैंक तकनीकी उन्नयन के साथ ही अहम बदलावों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हमने तकनीक, डिजिटल और कई कारोबार में बदलाव के पहल पर काफी निवेश किया है, जिससे हम अपनी जीपीएस (वृद्धि, मुनाफा और स्थायित्व) रणनीति की सही राह में हैं। उन्होंने कहा कि ऐक्सिस बैंक का तकनीक पर खर्च साल भर पहले की तुलना में 40 फीसदी बढ़ा है और बैंक क्लाउड, ऑटोमेशन विकसित करने, नई तकनीक को अपनाने तर्गी लचीलापन लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। राघवेंद्र ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, %सालाना आधार पर वृद्धि और बजट वितरण के लिहाज से क्लाउड और ऑटोमेशन जैसे कुछ क्षेत्र में पिछले वर्षों की तुलना में ज्यादा बजट आवंटित किया गया है। इधर कई फर्में अपना सुपर ऐप लाने की तैयारी की है। टाटा समूह ने टाटान्यू नाम से सुपर ऐप विकसित किया है, जिसे अगले कुछ महीनों में लाया जा सकता है। इससे उपयोगकर्ता एक ही प्लेटफॉर्म पर तमाम वित्तीय सेवाओं, ई-कॉमर्स, फैशन और लाइफस्टाइल संबंधी लेनदेन करने में सक्षम होंगे। इस क्षेत्र की स्थापित कंपनियों एमेजॉन और पेटीएम को टक्कर देने के लिए रिलायंस और अदाणी समूह भी इसी तरह का प्लेटफॉर्म लाने की योजना बना रहा है। मैक्वायरी कैपिटल में एसोसिएट निदेशक सुरेश गणपति ने कहा, %निजी क्षेत्र के लगभग सभी बैंकों ने तकनीक पर अपना खर्च बढ़ाया है और यह रुझान अगली कुछ तिमाहियों तक जारी रहेगी क्योंकि वे सभी क्लाउड बुनियादी ढांचे में जाने की संभावना तलाश रहे हैं और फिनटेक के साथ गठजोड़ बढ़ा रहे हैं ताकि अपनी डिजिटल पेशकश को बढ़ावा दे सकें।

बढ़ रहे रोजगार

दिसंबर में ईपीएफओ से जुड़े 14.60 लाख सदस्य नवंबर की तुलना में ये 19.98 फीसदी ज्यादा

नई दिल्ली

देश में फिर एक बार रोजगार बढ़ने लगे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से दिसंबर 2021 में 14.60 लाख नए सदस्य जुड़े। दिसंबर 2020 के मुकाबले यह 16.40 फीसदी ज्यादा हैं। दिसंबर 2020 के दौरान 12.54 लाख सदस्य जुड़े। नवंबर 2021 के मुकाबले दिसंबर 2021 में 19.98 फीसदी ज्यादा लोग ईपीएफओ से जुड़े। नवंबर में 12.17 लाख लोग जुड़े थे।

9.11 लाख नए सदस्य जुड़े

कुल 14.60 लाख नेट सब्सक्राइबर्स में, 9.11 लाख नए लोग पहली बार ईपीएफ से जुड़े। वहीं 5.49 लाख ऐसे लोग दिसंबर में इससे जुड़े हैं जो किसी कारण ईपीएफ छोड़ चुके थे।

सदस्य जोड़ने के मामले में महाराष्ट्र और हरियाणा आगे

महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक में इस महीने के दौरान लगभग 8.97 लाख सब्सक्राइबर्स जोड़े। यह टोटल नेट पेरोल का करीब 61.44 फीसदी है। लिंग की बात करें तो महिला ग्राहकों की संख्या 3 लाख है।

22 से 25 साल के 3.88 लाख सदस्य ईपीएफओ से जुड़े

पेरोल डेटा के मुताबिक, 22-25 साल के ग्राहकों की संख्या सबसे ज्यादा है। इस उम्र के ग्राहकों की संख्या 3.87 लाख है। इसके बाद 18-21 साल उम्र कैटिगरी में 2.97 लाख ग्राहक जुड़े। इससे पता चलता है कि दिसंबर में जुड़ने वाले सदस्यों में 18-25 साल के आयु वर्ग की भागीदारी 46.89 फीसदी रही।

वित्त वर्ष 2020-21 में 77.08 लाख नए सदस्य जुड़े

ईपीएफओ में हर महीने औसतन 7 लाख नए मेंबर जुड़ते हैं। 2020-21 में कुल 77.08 लाख नए सदस्य ईपीएफओ से जुड़े थे। ईपीएफओ की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2019-20 में ईपीएफओ के साथ 78.58 लाख नए सदस्य जुड़े। इससे पिछले वित्त 2018-19 के दौरान यह आंकड़ा 61.12 लाख का रहा था। ईपीएफओ अप्रैल, 2018 से नए सदस्यों के आंकड़े जारी कर रहा है।

अगले वित्त वर्ष में 325 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है सेवा निर्यातः एसईपीसी

नई दिल्ली

देश का सेवाओं का निर्यात अगले वित्त वर्ष 2022-23 में 325 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) के चेयरमैन सुनील एच तलाती ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार की सेवाओं की मांग बढ़ने तथा धीरे-धीरे नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने से सेवा निर्यात में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक सेवाओं का निर्यात 250 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी के दौरान सेवाओं का निर्यात अनुमानित 209.83 अरब डॉलर रहा है, जो एक साल पहले की समान अवधि के 167.45 अरब डॉलर से 25.31 प्रतिशत अधिक है। तलाती ने कहा, ''कोविड-19 महामारी के जल्द समाप्त होने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में सभी प्रकार की सेवाओं की मांग बढ़ रही है। ऐसे में हमने अगले वित्त वर्ष में 325 अरब डॉलर के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।'' उन्होंने कहा कि नई विदेश व्यापार नीति में क्षेत्र के लिए समर्थन उपायों से सेवाओं का निर्यात और बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पहले परिषद ने निर्यात को प्रोत्साहन को क्षेत्र के लिए सेवाओं के निर्यात पर शुल्क वापसी योजना (ड्रेस) के स्थान पर एक वैकल्पिक योजना प्रस्ताव किया था।

मुंबई के दो दिवसीय दौरे पर निर्मला सीतारमणः वित्त मंत्री इंडस्ट्री के दिग्गजों, लार्ज टैक्स पेयर्स और चुनिंदा प्रोफेशनल्स के साथ करेंगी मुलाकात

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दो दिवसीय दौरे के लिए आज मुंबई आ रही हैं। यहां वे उद्योग जगत से जुड़े कई दिग्गजों से मुलाकात करेंगी। यहां वे बजट के बाद के मसलों पर बातचीत करेंगी। इसके अलावा वे बड़े टैक्सपेयर्स और चुनिंदा प्रोफेशनल्स के साथ भी मुलाकात करेंगी। वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री के दौरे को लेकर एक ट्वीट में कहा, वित्तमंत्री महाराष्ट्र के हितधारकों, उद्योग और व्यापार, बड़े करदाताओं और चुनिंदा पेशेवरों के साथ बजट 2022 के बाद बातचीत करेंगी। पोस्ट में कहा गया है कि बातचीत सोमवार सुबह 10.30 बजे शुरू होगी। इसके बाद दोपहर 3 बजे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फाइनेंशियल मार्केट के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगी।

मंगलवार को वित्त मंत्री का कार्यक्रमः- वित्त मंत्री 22 फरवरी यानी मंगलवार के दिन फाइनेंशियल स्टैबिलिटी और डेवलपमेंट काउंसिल (स्नस्ष्ठष्ट) की बैठक करेंगी, जो सुबह 9.30 बजे होगी। इससे पहले 1 फरवरी को अपने बजट भाषण के बाद निर्मला पहले ही दिल्ली में विभिन्न उद्योग जगत से जुड़े लोगों के साथ बातचीत कर चुकी हैं। इसके बाद दोपहर 3 बजे वित्त मंत्री पब्लिक सेक्टर बैंक के साथ पोस्ट बजट बैठक करेंगी। ये सभी कार्यक्रम मुंबई के होटल ट्राईडेंट में होंगे। संसद के बजट सत्र का पहला चरण पूरा हो चुका है और अब इसका दूसरा चरण 14 मार्च से होगा। इससे पहले वित्त मंत्री की कई उद्योग मंडलों के साथ बैठकें होंगी और बजट के बाद के विकास कार्यों पर मंत्रणा होगी। बता दें कि पिछले हफ्ते वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय रिजर्व बैंक के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ मिलकर बैठक की थी, जहां डिजिटल करेंसी, एलआईसी आईपीओ समेत दूसरे मुद्दों पर बातचीत की गई थी।

एसबीआई का अलर्ट : पैसे रिसीव करने के लिए स्कैन न करें QR कोड, नहीं तो खाली हो सकता है अकाउंट

नई दिल्ली

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपने ग्राहकों को अलर्ट करते हुए बताया है कि आपको कभी भी पैसे प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करने की जरूरत नहीं होती है। वहीं पेमेंट प्राप्त करते समय पिन डालने भी डालने की जरूरत नहीं होती है। अगर आप लापरवाही करते हुए किसी के कहने पर पेमेंट रिसीव करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करते हुए पिन डालते हैं तो आपके फॉड हो सकता है। जिससे आपके अकाउंट से पैसे निकल जाएंगे। आइए जानते हैं कि क्यूआर कोड के जरिए आपके साथ किस तरह फ्रॉड करने की कोशिश की जाती है। कॉल करके बोला जाता है कि आप कोई प्राइज जीते हैं। मैनें आपको एक क्यूआर कोड भेजा है उसको स्कैन करके अपने आपको वैरिफाई करने के

लिए पिन डालिए। क्यूआर कोड से छेड़खानी कर उसे दूसरे क्यूआर कोड के साथ बदल देते हैं और नाम भी उसी से मिलता जुलता रख देते हैं। इसमें पेमेंट करते समय आप ध्यान नहीं देते है तो वह पेमेंट किसी और को हो जाता है।

फ्रॉड से बचने के लिए रहें सावधान

किसी के कहने के बाद भी पैसे प्राप्त करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन न करें ।

पैसे प्राप्त करने के लिए आपको कभी भी कहीं पासवर्ड या पिन नहीं डालना होता है। पेमेंट करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद उसमें दिए नाम को मिला लीजिए कि जिसे आप पेमेंट कर रहे हैं उसी का नाम लिखा है कि नहीं।

एसबीआई ने अपने ट्वीट में क्या कहा

UPI पिन केवल पेमेंट करने के लिए डालना होता है। पेमेंट रिसीव करने के लिए नहीं।

पैसे पेमेंट करते समय हमेसा मोबाइल नंबर, नाम और UPI आईडी को वैरिफाई करें।

कभी किसी के साथ पासवर्ड या पिन शेयर न करें।

आप यह जान लीजिए कि पेमेंट ऐप में दिए स्कैनर से क्यूआर कोड स्कैन करके आप पेमेंट करते हैं रिसीव नहीं।

किसी भी प्रकार की दिक्कत होने पर ऑफिशियल सोर्स से ही हेल्प लीजिए।

पेमेंट करते समय किसी प्रकार के टेकनिकल दिक्कत होने पर हेल्प सेक्शन में जाकर सहायता ले सकते हैं।

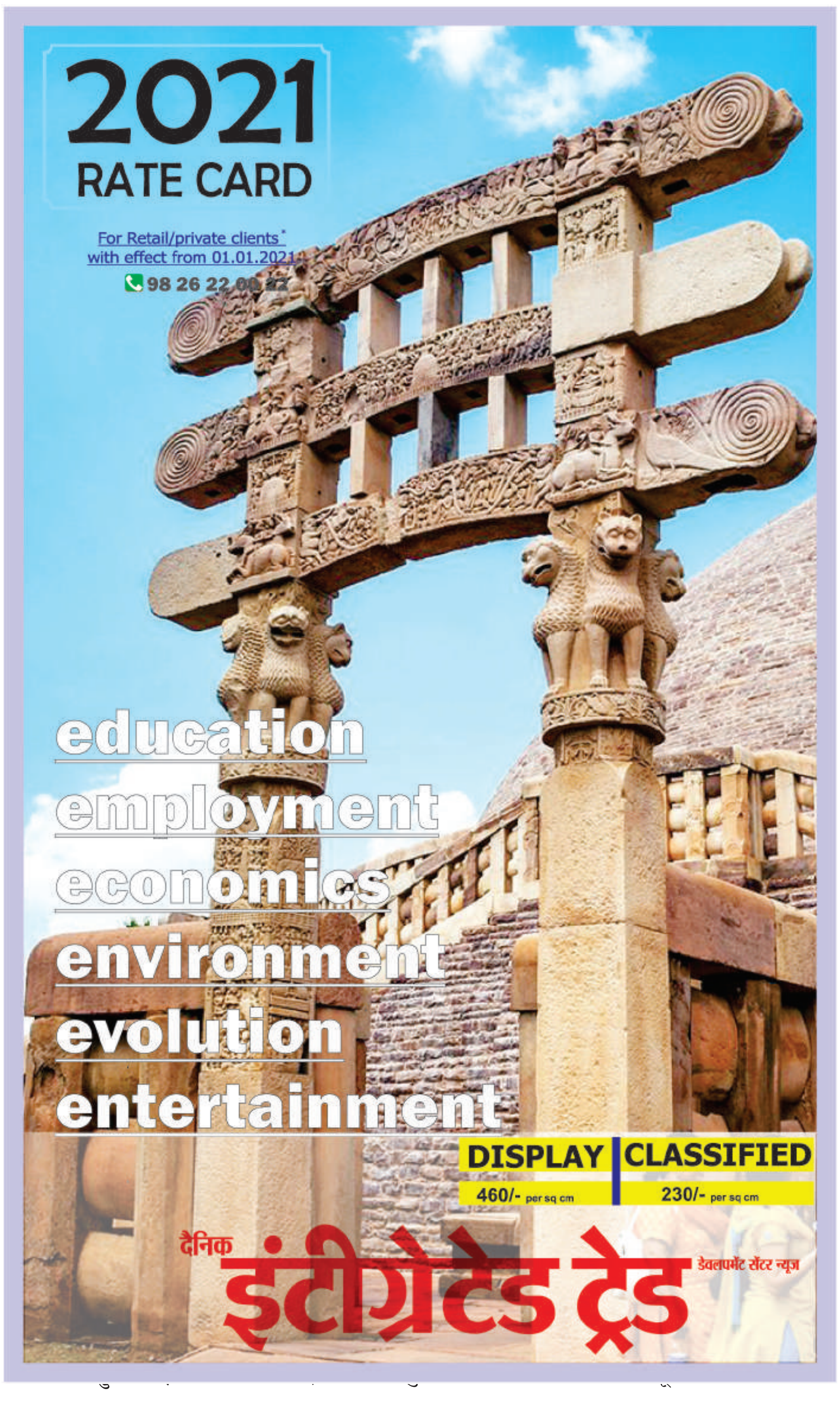

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)